सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-209 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 18 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सु-विचार

" कोई तुम्हे सुझाव दे सकता है, समाधान तुम्हें खुद ढूंढना पड़ेगा ...!!

अज्ञात...

भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान : आईटी सेल में बड़ा फेरबदल, स्मृति ईरानी-राम माधव की वापसी

अमित मालवीय की छुट्टी, मंत्रिमंडल विस्तार के भी संकेत

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने लंबे मंथन के बाद पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम का औपचारिक ऐलान कर दिया है। संगठन में बड़े पैमाने पर फेरबदल करते हुए अनुभव, युवाओं और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखा गया है। टीम की घोषणा के बाद अब मोदी मंत्रिमंडल में भी बदलाव और विस्तार की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

आईटी सेल की नई जिम्मेदारियां :

राष्ट्रीय संयोजक: दीपक महासके, छत्तीसगढ़। एमएससी रसायन शास्त्र, डेटा एनालिसिस और बेनेफिशरी डेटा के विशेषज्ञ माने जाते हैं। पूर्व में छत्तीसगढ़ भाजपा आईटी सेल के संयोजक और मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन रह चुके हैं।

सह-संयोजक: प्रीति गांधी, अरुण यादव, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट

स्मृति ईरानी और राम माधव की मुख्यधारा में वापसी

संगठन में दो बड़े नामों की वापसी हुई है।

आईटी सेल में बड़ी सर्जरी, अमित मालवीय हटाए गए

पार्टी के डिजिटल और सोशल मीडिया मोर्चे पर सबसे बड़ा बदलाव हुआ है। पिछले 11 वर्षों से भाजपा आईटी सेल की कमान संभाल रहे अमित मालवीय और उनकी पूरी टीम को हटा दिया गया है। जंतर-मंतर पर हालिया छात्र आंदोलनों के दौरान सोशल मीडिया पर पार्टी का काउंटर नैरेटिव कमजोर पड़ने की शिकायतों के बाद यह निर्णय लिया गया।

स्मृति ईरानी: पूर्व केंद्रीय मंत्री और अमेठी से पूर्व सांसद को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है।

राम माधव: आरएसएस पृष्ठभूमि से आने वाले राम माधव को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

विप्लव कुमार देव: त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद को भी राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है।

संगठन और कोष में बदलाव

- बीएल संतोष राष्ट्रीय संगठन महामंत्री पद पर यथावत रहेंगे।
- शिव प्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री बनाया गया है।
- पीयूष गोयल को भाजपा का नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजस्थान से राजेश मंगल सह-कोषाध्यक्ष होंगे।

वरिष्ठ नेताओं में बरकरार व बाहर

- राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बरकरार रखा गया है।
- लक्ष्मीकांत वाजपेयी, लता उसेंडी और सरोज पांडे को उपाध्यक्ष सूची से बाहर किया गया है।
- सुनील बंसल और विनोद तावड़े राष्ट्रीय महामंत्री पद पर बने रहेंगे।
- सतीश पूनिया, हरीश द्विवेदी, गजेंद्र पटेल और संजय भाटिया को भी राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है।

मोर्चों में नए चेहरे

युवा मोर्चा: बड़ौदा से लोकसभा सांसद डॉ. हेमांग जोशी को भारतीय जनता युवा मोर्चा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। तेजस्वी सूर्या की जगह उन्हें जिम्मेदारी मिली है। महिला मोर्चा में राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी महासमुंद सासंद रूपकुमार चौधरी को दी गई है।

ओबीसी मोर्चा: उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य को ओबीसी मोर्चा की कमान सौंपी गई है।

एसटी मोर्चा: उदयपुर से सांसद मन्नालाल यादव को एससी/एसटी मोर्चे का अध्यक्ष बनाया गया है।

अल्पसंख्यक मोर्चा: अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और बासित अली को प्रमुख जिम्मेदारी दी गई है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की सूची

वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, बैजयंत जय पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, मनप्रीत सिंह बादल, वर्षा बेन दोषी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, लाल सिंह आर्य, प्रो. एम. नागराजा, तारिक मंसूर, मधुचंद कर और राम माधव को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

मीडिया और अन्य नियुक्तियां

- मीडिया विभाग में अनिल बलूनी कन्वीनर बने रहेंगे। प्रदीप भंडारी, आशीष अग्रवाल और सिद्धार्थ यादव को सह-संयोजक बनाया गया है।
- आम आदमी पार्टी से आए संदीप पाठक को पंजाब में संगठन विस्तार के लिए राष्ट्रीय महामंत्री और कांग्रेस से आए रोहन गुप्ता को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी गई है।
- तरुण चुग को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय का प्रभारी बनाया गया है।

मंत्रिमंडल विस्तार के संकेत

संगठन में बदलाव के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हैं कि अब मोदी मंत्रिमंडल में भी बड़ा फेरबदल हो सकता है। पार्टी सूत्रों के अनुसार सरकार में फटीग फैक्टर को दूर करने और युवाओं को अवसर देने के लिए कई वरिष्ठ मंत्रियों की जगह नए चेहरों को जगह मिल सकती है।

भाजपा की नई टीम में युवा चेहरों, महिला प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय संतुलन पर विशेष फोकस देखा गया है।

'कॉकरोच पार्टी' के बाद अब 'दिमागी नक्सल जनता पार्टी' का ट्रेंड

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर राजनीतिक बयानों से निकलने वाले व्यंग्यात्मक ट्रेंड्स की कड़ी में अब एक नया नाम जुड़ गया है - 'दिमागी नक्सल जनता पार्टी'। यह कोई आधिकारिक राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान के बाद इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुआ डिजिटल मूवमेंट है।

कहां से आया 'दिमागी नक्सल' शब्द : इस आंदोलन की शुरूआत 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण से हुई। पीएम मोदी ने कहा था : "हथियार वाले नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं। वे हिंसा और अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। इन दिमागी नक्सलियों को पहचानना होगा, आइसोलेट करना होगा और राष्ट्र को विकसित राष्ट्र बनाने की मुख्यधारा की ओर देश की युवा पीढ़ी को जोड़ना होगा।" बयान आते ही और Instagram पर 'दिमागी नक्सल' शब्द ट्रेंड करने लगा। देखते ही देखते इसके हजारों फॉलोअर्स जुड़ गए।

DNJP क्या है : सोशल मीडिया प्रोफाइल के अनुसार 'दिमागी नक्सल जनता पार्टी' ने अपना स्लोगन रखा है - "दिमागी बनो, बेवकूफ नहीं"। पार्टी का दावा है कि वे किसी मौजूदा दल से नहीं जुड़े हैं, लेकिन सवाल पूछने वाले हर नागरिक के साथ खड़े हैं।

पीएम मोदी के बयान से शुरू हुआ नया डिजिटल आंदोलन, DNJP वायरल

DNJP के घोषणापत्र के 6 नियम

सवाल पूछना अनिवार्य : सरकार या पार्टी कोई भी हो, जनता की तरफ से सवाल पूछे जाने चाहिए। विरोधी को दुश्मन न समझें : सिर्फ सवाल पूछने के आधार पर एक-दूसरे को दुश्मन न माना जाए। कोई नेता या झंडा नहीं : न कोई झंडा, न फॉन्ट और न कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाला संस्थापक। ताने को नारा बनाना : यदि कोई शब्द ताने के रूप में इस्तेमाल होगा तो जनता उसे अपना नारा बनाएगी। स्पष्टीकरण से हेडलाइन : जितना स्पष्टीकरण दिया जाएगा, मुद्दा उतनी बड़ी हेडलाइन बनेगा। सदस्यता की शर्त : कोई फीस नहीं। एकमात्र शर्त है - "चलता हुआ दिमाग और सवाल पूछने की हिम्मत"

विपक्ष और भाजपा आमने-सामने: विपक्ष ने इस शब्द को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं का कहना है कि सरकार से सवाल करने वाले पढ़े-लिखे युवाओं और विरोधियों को टारगेट करने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल और पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक पोस्ट करते हुए खुद को "प्राउड दिमागी नक्सल" बताया।

वहीं भाजपा की ओर से राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि 'दिमागी नक्सल' उन लोगों के लिए है जो देश की 7 .4 प्रतिशत की विकास दर में सामंजस्य नहीं देख पाते, सीए जैसे कानूनों पर भ्रम फैलाते हैं या सांस्कृतिक-राष्ट्रीय मुद्दों पर दोहरा रवैया अपनाते हैं।

सोशल मीडिया पर नया ट्रेंड : 'कॉकरोच पार्टी' के बाद अब 'दिमागी नक्सल जनता पार्टी' युवाओं के बीच मीम्स, रील्स और पोस्ट का केंद्र बन गई है। राजनीतिक बहस के साथ-साथ यह ट्रेंड इस बात का भी उदाहरण है कि किस तरह एक बयान सोशल मीडिया पर नया आंदोलन खड़ा कर देता है।

कमल बने छग प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ के दुर्ग जिलाध्यक्ष

शिक्षक हित में निस्वार्थ कार्य करने का लिया संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ ने संगठन विस्तार करते हुए शासकीय प्राथमिक शाला शंकर नगर दुर्ग के सहायक शिक्षक एलबी कमल वैष्णव को दुर्ग जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष केदार जैन द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में बताया गया कि यह निर्णय संभाग अध्यक्ष एवं दुर्ग संभाग प्रभारी विनोद गुप्ता की अनुशंसा और प्रदेश महासचिव ओम प्रकाश पाण्डेय की सहमति के बाद लिया गया है।

नियुक्ति आदेश में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कमल वैष्णव से अपेक्षा की गई है कि वे संघ के संविधान के अनुरूप शिक्षा, शिक्षक और संगठन के हित में निरंतर सक्रिय रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

साथियों ने दी बधाई

कमल वैष्णव की नियुक्ति पर बी.प्रकाश, वर्षा हरिहरनो, राहुल झा, अभिषेक चंदन, रश्मि साहू, निजामुद्दीन, संजय चंद्राकर, नीलू थापा, रेखा जगत, जाहिदा खान, चुने राम साहू, तिलक साहू, रविन्द्र विश्वकर्मा, जानकी देवांगन, चंद्रहास देवांगन, कामता साहू, अश्वनी चंद्रा, विनोद यादव, नम्रता रावत, कविता प्रसाद, सुकृता भुवाल, प्रभु लाल भोंडले, नागेश्वर साहू, तिलक चंद साहू, भूपेंद्र देशमुख, प्रवीण ताम्रकार, सुलभा मानिकपुरी, मधु वर्मा, शगुफ्ता अंजुम, श्वेता तन्ना, ज्योति बेनर्जी, अंजना साहू, चित्ररेखा साहू, किरण शर्मा, सतीश जोशी, महेश जोशी, देव नारायण साहू, ममता ध्रुव, वीर नारायण रात्रे, देव नारायण वर्मा, टीकम चंद साहू, भुनेश्वर साहू, आदित्य नामदेव, तोमन साहू, गीता गुप्ता, वहाब खान सहित संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बधाई दी। सभी ने उनके नेतृत्व में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की उम्मीद जताई।

जिलाध्यक्ष ने जताया आभार

नव नियुक्त जिलाध्यक्ष कमल वैष्णव ने कहा कि वे शिक्षकों और संघ के हित के लिए निस्वार्थ भाव से हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष केदार जैन, उप प्रांताध्यक्ष गिरिजा शंकर शुक्ला, संभाग अध्यक्ष एवं दुर्ग संभाग प्रभारी विनोद गुप्ता और प्रदेश महासचिव ओम प्रकाश पाण्डेय के प्रति आभार व्यक्त किया।

भिलाई में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ

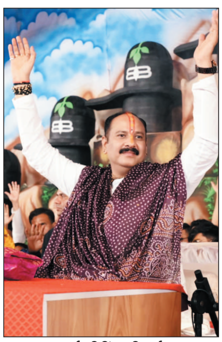

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इस्पात नगरी भिलाई में अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले के मुखारविंद से 7 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का दिव्य शुभारंभ हुआ। कथा स्थल पर हजारों श्रद्धालु सुबह से ही उमड़े और आस्था चैनल सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाखों लोगों ने ऑनलाइन जुड़कर भक्ति का रसास्वादन किया।

पहले दिन उमडी आस्था की भीड, "एक लोटा जल" का दिया संदेश

भक्ति का सरल उपाय बताया : एक लोटा जल

पंडित प्रदीप मिश्रा ने शिवभक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के दुख, परेशानियों और संकटों का समाधान केवल महादेव की शरण में है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन शिवालय जाकर शिवलिंग पर श्रद्धापूर्वक "एक लोटा जल" अर्पित करने से बड़े से बड़े कष्ट और बीमारियां दूर होती हैं। जैसे शरीर के रोग के लिए दवा जरूरी है, वैसे ही जीवन के संकटों से मुक्ति के लिए शिव भक्ति ही औषधि है।

गणेश वंदना से हुई शुरूआत

कथा के पहले दिन का शुभारंभ गणपति वंदना और भजन "किस जननी ने तोहे जन्म दियो है, किसने दियो उपदेश... तेरी जय हो गणेश" से हुआ। पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं ने "हर-हर महादेव" और "श्री शिवाय नमस्तुभ्यं" के जयघोष से वातावरण शिवमय कर दिया।

शिव के विभिन्न रूपों का वर्णन

कथा में गुरुदेव ने शिव महापुराण के रहस्यों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया:

- महाकाल: गंभीर संकट आने पर भोलेनाथ महाकाल बनकर रक्षा करते हैं
- नीलकंठ: सृष्टि का विष पीकर नीलकंठ कहलाए
- मृत्युंजय: मृत्यु तुल्य कष्ट में भक्त को नया जीवन देते हैं
- काल भैरव: भक्तों के भय को दूर करने के लिए प्रकट होते हैं

महाआरती के साथ समापन

प्रथम दिवस का समापन "जय शिव ओंकारा" और "कर्पूरगौरं करुणावतारं" की भव्य महाआरती के साथ हुआ। आयोजक श्री बोल बम सेवा समिति ने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, बैठने और सुरक्षा की विशेष व्यवस्थाएं की थीं।

प्रमुख बिंदु

- स्थान : भिलाई, छत्तीसगढ़
- कथावाचक : पंडित प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले
- अवधि : 7 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा
- मूल संदेश : "श्री शिवाय नमस्तुभ्यं" और "एक लोटा जल, सभी समस्याओं का हल"

कथा 7 दिनों तक चलेगी। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील की है।

यूनिक एफसी भिलाई-3 ने जीता अंडर-15 9-ए साइड फुटबॉल का खिताब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेक्टर-2 टर्फ फुटबॉल ग्राउंड में 15 और 16 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय अंडर-15 9-ए साइड फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब यूनिक एफसी भिलाई-3 ने अपने नाम किया। रोमांचक फाइनल में यूनिक एफसी ने ब्रह्मविद एफए रायपुर को 1-0 से पराजित किया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और ओडिशा की कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया।

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मंत्री भाजपा रश्मि सिंह ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ हुआ। दो दिनों तक खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचक मुकाबले दिए।

16 अगस्त को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। फाइनल से पहले 40 प्लस आयु वर्ग का प्रदर्शनी मैच भिलाई स्टार्स और रायपुर स्टार्स के बीच हुआ। इसमें भिलाई स्टार्स ने रायपुर स्टार्स को 4-0 से हराया।

यूनिक एफसी ने 1-0 से जीता फाइनल : अंडर-15 वर्ग का फाइनल मुकाबला यूनिक एफसी भिलाई-3 और ब्रह्मविद एफए रायपुर के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिला। यूनिक एफसी ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए 1-0 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल ने विजेता टीम यूनिक एफसी भिलाई-3 को 21 हजार रुपये की नगद राशि प्रदान की। उपविजेता ब्रह्मविद एफए रायपुर को 11 हजार रुपये दिए गए। दोनों टीमों के खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के मैन ऑफ द टूनार्मेंट खिलाड़ी को एलईडी टीवी सहित आकर्षक उपहार भेंट किया गया।

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, भिलाई भाजपा कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कन्हैया सोनी, समाजसेवी विपुल गुप्ता, सजीव सुधाकरन और जिला मंत्री भाजपा रश्मि सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि और खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

आयोजकों ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और उच्च स्तर पर खेलने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने सभी टीमों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का सफल आयोजन भिलाई में फुटबॉल के प्रति बढ़ते उत्साह और खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दीपक म्हस्के को भाजपा राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक बनने पर बधाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में हुए बदलावों के तहत दीपक म्हस्के को पार्टी का राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है। इस नवीन दायित्व पर राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष और सेवानिवृत्त आईएएस गणेश शंकर मिश्रा ने उनसे भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि दीपक म्हस्के की निष्ठा, समर्पण और कर्मठता को मिला यह सम्मान पूर्णतः सुयोग्य है। उन्होंने दीपक म्हस्के के सफल एवं प्रभावी कार्यकाल के लिए अनंत शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने हाल ही में अपनी राष्ट्रीय टीम का विस्तार करते हुए सोशल मीडिया और आईटी सेल में बड़ा फेरबदल किया है। छत्तीसगढ़ से आने वाले दीपक म्हस्के को अब पार्टी के डिजिटल और सोशल मीडिया मोर्चे की राष्ट्रीय जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले वे छत्तीसगढ़ भाजपा आईटी सेल के संयोजक और मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन के पद पर भी रह चुके हैं।

गणेश शंकर मिश्रा ने कहा - निष्ठा और समर्पण का मिला सम्मान

पार्टी कार्यकताओं और संगठन से जुड़े लोगों ने भी दीपक म्हस्के को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी है और उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में भाजपा का सोशल मीडिया तंत्र और अधिक मजबूत होगा।

रिमझिम सावन मेला : 21 अगस्त को विवेकानंद भवन में महिलाओं के उत्पादों की लगेगी प्रदर्शनी

महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम्स, सांस्कृतिक गतिविधियां और अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे आयोजित, महापौर व आयुक्त ने लिया तैयारियों का जायजा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के तहत इस वर्ष भी रिमझिम सावन मेला का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय यह मेला 21 एवं 22 अगस्त को प्रातः 11 बजे से शाम 7 बजे तक विवेकानंद भवन सभागार में आयोजित होगा। आयोजन को लेकर नगर निगम द्वारा व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

मेले में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम्स, सांस्कृतिक गतिविधियां तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्व-सहायता समूहों एवं महिलाओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी और विक्रय के लिए कुल 30 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें 20 स्टॉल आम नागरिकों के लिए तथा 10 स्टॉल स्व-सहायता समूहों के लिए आरक्षित रहेंगे।

नागरिकों के लिए स्टॉल शुल्क 1,000 रुपये तथा स्व-सहायता समूहों के लिए 500 रुपये निर्धारित किया गया है। इच्छुक नागरिक एवं समूह शुल्क जमा कर अपना पंजीयन करा सकते हैं। स्टॉल के लिए सुश्री चित्रलेखा चन्द्राकर के मोबाइल नंबर 8085289463 पर संपर्क किया जा सकता है।

महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त मोहेंद्र साहू ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के दौरान सांस्कृतिक विभाग प्रभारी हर्षिका संभव जैन, महिला एवं बाल विकास विभाग प्रभारी शशि द्वारिका साहू, एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन सहित पार्षद रंजीता पाटिल, लोकेश्वरी ठाकुर, सावित्री दमाहे, सुरूचि उमरे, सरिता चंद्राकर एवं जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर मौजूद रहे।

व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

मेले को व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए आयुक्त मोहेंद्र साहू द्वारा विभिन्न अधिकारियों-कर्मचारियों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए कार्यपालन अभियंता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा स्टॉल, मंच, शामियाना, कुर्सी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं, अतिथियों के स्वागत-सत्कार, पेयजल एवं जलपान, विद्युत एवं माइक व्यवस्था, मंच संचालन, साफ-सफाई एवं चूना मार्किंग सहित विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों को दी गई है। कार्यक्रम के लिए आवश्यक सामग्री, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

महिला अतिथियों के लिए बैठक व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कलाकारों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी तय की गई है। आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि नोडल अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं के लिए कार्य प्रारंभ करने से पहले विधिवत स्वीकृति प्राप्त करें। उन्होंने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए मेले को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।

खास खबर

बारिश में भी नहीं थमी लोगों की आस्था, पाटन से टोलाघाट तक निकली भव्य बोल बम कांवर यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-पाटन

जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में हजारों शिवभक्तों ने "हर हर महादेव" के जयघोष के साथ पूरी की यात्रा

सावन के तीसरे सोमवार 17 अगस्त 2026 को बोल बम कांवर यात्रा समिति, पाटन के संयोजक जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में पाटन से टोलाघाट तक भव्य कांवर यात्रा निकाली गई। लगातार हो रही बारिश के बावजूद शिवभक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। हाथों में कांवर लिए श्रद्धालु "बोल बम, हर हर महादेव" के जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे।

ओग्गर तालाब से हुआ शुभारंभ

यात्रा की शुरूआत पाटन के ओग्गर तालाब में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक के साथ हुई। इसके बाद हजारों की संख्या में शिवभक्त कांवर लेकर टोलाघाट के लिए रवाना हुए। यात्रा में महिलाएं, युवा, बुजुर्ग सहित सभी वर्गों के लोग शामिल हुए। ड्डख पर बज रहे भक्ति गीतों पर श्रद्धालु भक्ति में डूबे नजर आए। कांवर यात्रा संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि यह यात्रा आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। बारिश ने शिवभक्तों के हौसले को तोड़ने के बजाय उनकी श्रद्धा को और मजबूत किया।

महाप्रसाद और सांस्कृतिक प्रस्तुति

टोलाघाट पहुंचने पर "एक मुट्ठी दान भगवान शंकर के नाम" अभियान के तहत एकत्रित अन्न से महाप्रसाद तैयार कर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक आयोजन के साथ प्रसिद्ध गायक जितेंद्र साहू द्वारा "सोनहा बादर" की सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई, जिसने बारिश के बीच भी माहौल भक्तिमय बना दिया।

जनप्रतिनिधि हुए शामिल

इस अवसर पर दुर्ग सांसद विजय बघेल, छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर, साजा के पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, डोंगरगढ़ के पूर्व विधायक विनोद खांडेकर, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश निक्की भाले सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और स्वयंसेवक उपस्थित थे। श्री वर्मा ने यात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी शिवभक्तों, सेवा दलों, व्यापारी बंधुओं और प्रशासन का आभार व्यक्त किया। पूरे मार्ग में सेवा शिविर लगाकर श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था की गई थी।

संगीत व सम्मान का संगम बना जय हिंद महोत्सव

समाज के कर्मयोगियों को मिला जय हिंद सम्मान, गूंजा जय हिंद का जयघोष

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सांई म्यूजिकल ग्रुप इंडिया द्वारा आयोजित भव्य ह्यजय हिंद महोत्सव संगीत, सम्मान और समाज सेवा की भावना का अनूठा संगम बन गया। कार्यक्रम में प्रतिभाशाली गायकों की मधुर प्रस्तुतियों के साथ समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को जय हिंद सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग जिले के सांसद विजय बघेल रहे। अध्यक्षता दुर्ग नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार ने की। कार्यक्रम में डॉ. मुकुंद साव, रौशन मेहंदी भाई समनानी, डॉ. प्रज्ञा सिंह, अफताब खान, सरमद इमाम, सहाना कुरैशी, शबनम खान, रत्ना नारमदेव, गफ्फार खान सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी, कलाकार, पत्रकार और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संगीत के बीच हुआ कर्मयोगियों का सम्मान

जय हिंद महोत्सव की विशेषता यह रही कि यह केवल सम्मान समारोह नहीं था। गायकों की संगीत प्रस्तुतियों के बीच समाज के कर्मयोगियों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने

बताया कि समाज में ऐसे अनेक लोग हैं जो नौकरी, व्यवसाय और परिवार की जिम्मेदारियों के साथ शिक्षा, चिकित्सा, खेल, पत्रकारिता, कला, साहित्य और जरूरतमंदों की सेवा में योगदान दे रहे हैं। ऐसे लोगों को समाज के सामने लाकर सम्मानित करना और दूसरों को प्रेरित करना ही इस महोत्सव का उद्देश्य है। कार्यक्रम की परिकल्पना सांई म्यूजिकल ग्रुप के डायरेक्टर हाजी मिर्जा साजिद की थी, जिसे संयोजक कैलाश जैन बरमेचा ने व्यापक रूप दिया।

संगीत ने बांधा समां

कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति और सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित लोगों ने संगीत और सम्मान की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, सम्मानित व्यक्तियों, कलाकारों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इन क्षेत्रों के कर्मयोगी हुए सम्मानित

समारोह में समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, रक्षा सेवा, पत्रकारिता, खेल, चिकित्सा, योग, शिक्षा, साहित्य, धार्मिक एवं सामाजिक जागरण और दिव्यांग सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों के कर्मयोगियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में रश्मि अग्रवाल, आकांक्षा मिश्रा, डॉ. भावना दिवाकर, योगेंद्र शर्मा बंटी, हरप्रीत सिंह, अश्वनी कुमार, प्रदीप पांडे, संगीता मिश्रा, कृष्णा साहू, धनराज निर्मलकर, हेमलता देशमुख, नारायण चंद्राकर, बृजमोहन खंडेलवाल, मृदुला रोजिंदर, डॉ. रजनी नेल्सन, डॉ. नीता शर्मा, सी.ए. संतोष जैन, स्वर्गीय चैनसुख भट्टड़, सत्यम सिंह, गोपाल यादव, इस्माइल चौहान, ईष्टपाल सिंह भाटिया, विभा मिश्रा, प्रीति अजय बेहरा, स्मिता सिंह, डॉ. विनीता धुर्वे, गुरमीत कौर धनाई, डॉ. निर्मला गुप्ता, डॉ. रूमीना खान और मिर्जा इसराईल बेग शाद बिलासपुरी शामिल रहे। जो सम्मानित व्यक्ति उपस्थित नहीं हो सके, उनके सम्मान उनके परिजनों को प्रदान किए गए।

संगीत की सुरमयी शाम में गूंजा जय हिंद, कर्मयोगियों को मिला जय हिंद सम्मान

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सांई म्यूजिकल ग्रुप इंडिया द्वारा आयोजित जय हिंद महोत्सव संगीत और सम्मान का अनूठा संगम बन गया। कार्यक्रम में एक ओर गायकों की देशभक्ति प्रस्तुतियों ने माहौल देशमय कर दिया, तो दूसरी ओर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मयोगियों को जय हिंद सम्मान से नवाजा गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल रहे। अध्यक्षता दुर्ग नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मुकुंद साव, रौशन मेहंदी भाई समनानी, डॉ. प्रज्ञा सिंह, अफताब खान, सरमद इमाम, सहाना कुरैशी, शबनम खान, रत्ना नारमदेव, गफ्फार खान सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी, कलाकार, शिक्षाविद् और पत्रकार उपस्थित थे।

संगीत के बीच सम्मान समारोह : जय हिंद महोत्सव की खासियत यह रही कि सम्मान और संगीत साथ-साथ चले। गायकों की मधुर प्रस्तुतियों के बीच मंच पर समाजसेवियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि समाज में ऐसे अनेक लोग हैं जो अपनी नौकरी, परिवार और जिम्मेदारियों के साथ शिक्षा, चिकित्सा, खेल, पत्रकारिता, कला-साहित्य और

जरूरतमंदों की सेवा में योगदान दे रहे हैं। ऐसे लोगों को सामने लाकर सम्मानित करना और समाज को प्रेरित करना ही इस आयोजन का उद्देश्य है। कार्यक्रम की परिकल्पना सांई म्यूजिकल ग्रुप के डायरेक्टर हाजी मिर्जा साजिद की थी। संयोजक कैलाश जैन बरमेचा ने इसे व्यापक रूप दिया।

इन क्षेत्रों के कर्मयोगी सम्मानित: समारोह में समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, रक्षा सेवा, पत्रकारिता, खेल, चिकित्सा, योग, शिक्षा, साहित्य, धार्मिक-सामाजिक जागरण और दिव्यांग सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को जय हिंद सम्मान दिया गया।

सम्मानित होने वालों में रश्मि अग्रवाल, आकांक्षा मिश्रा, डॉ. भावना दिवाकर, योगेंद्र शर्मा बंटी, हरप्रीत सिंह, अश्वनी कुमार, प्रदीप पांडे, संगीता मिश्रा, कृष्णा साहू, धनराज निर्मलकर, हेमलता देशमुख, नारायण चंद्राकर, बृजमोहन खंडेलवाल, मृदुला रोजिंदर, डॉ. रजनी नेल्सन, डॉ. नीता शर्मा, सी.ए. संतोष जैन, स्वर्गीय चैनसुख भट्टड़, सत्यम सिंह, गोपाल यादव शामिल थे। इसके अलावा इस्माइल चौहान, ईष्टपाल सिंह भाटिया, विभा मिश्रा, प्रीति अजय बेहरा, स्मिता सिंह, डॉ. विनीता धुर्वे, गुरमीत कौर धनाई, डॉ. निर्मला गुप्ता, डॉ. रूमीना खान, मिर्जा इसराईल बेग शाद बिलासपुरी को भी सम्मानित किया गया। जो सम्मानित उपस्थित नहीं हो सके, उनके परिजनों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

सम्मान से मिला प्रेरणा का संदेश : आयोजकों ने कहा कि सम्मान का मकसद सिर्फ पुरस्कार देना नहीं, बल्कि ऐसे कार्यों को समाज के सामने लाकर दूसरों को प्रेरित करना है। यदि एक व्यक्ति भी सेवा से प्रेरित होकर आगे आता है तो आयोजन सार्थक है। कार्यक्रम में देशभक्ति और सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों से उत्साह बढ़ाया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, कलाकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र : एसएमएस-3 में इन-हाउस विकसित लांस जाम कटिंग कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कार्यस्थल पर सुरक्षा को सुदृढ़ करने और परिचालन विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) में नवीन इन-हाउस लांस जाम कटिंग कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण 14 अगस्त 2026 को किया गया। इसका लोकार्पण कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) बीके बेहरा ने किया। यह सुविधा एसएमएस-3 के बी.ओ.एफ. कॉम्प्लेक्स में बी.ओ.एफ.-3 के पास पुराने लांस कटिंग स्टैंड के समीप विकसित की गई है।

सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार

नवीन कॉम्प्लेक्स को ऊंचाई पर किए जाने वाले लांस जाम कटिंग कार्य की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए बेहतर कार्य प्लेटफॉर्म और आवश्यक सुरक्षा प्रावधानों के साथ तैयार किया गया है। इससे लांस जाम कटिंग जैसी महत्वपूर्ण गतिविधि को अधिक सुरक्षित, नियंत्रित और सुविधाजनक तरीके से किया जा सकेगा।

इन-हाउस विशेषज्ञता से बना कॉम्प्लेक्स

संकल्पना से लेकर डिजाइन और निष्पादन तक का संपूर्ण कार्य संयंत्र की इन-हाउस तकनीकी विशेषज्ञता से किया गया। कॉम्प्लेक्स का डिजाइन उप महाप्रबंधक (मैकेनिकल) राकेश वृष्णवंशी ने सेवानिवृत्त महाप्रबंधक संजीबा मिश्रा और महाप्रबंधक अजीत नारायण के मार्गदर्शन में तैयार किया। निष्पादन में वरिष्ठ प्रबंधक चंदन चतुवेर्दी, अमृत आशुग पाल और उप प्रबंधक एनजे राव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूरे प्रोजेक्ट का निष्पादन मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठा के मार्गदर्शन तथा महाप्रबंधक (मेंटेनेंस) प्रद्युम्न सतपथी और महाप्रबंधक (प्रचालन-प्रभारी) प्रमोद अग्रवाल की निगरानी में हुआ।

अधिकारियों ने की सराहना

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएँ) जेपी सिंह और मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बीके बेहरा ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि इन-हाउस विशेषज्ञता के उपयोग से लागत अनुकूलन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलता है। यह पहल अन्य इकाइयों के लिए भी अनुकरणीय है।

जेपी सिंह ने कहा कि शॉप-फ्लोर की व्यावहारिक सुरक्षा चुनौती का इन-हाउस समाधान से निराकरण परियोजना की बड़ी उपलब्धि है। त्रिभुवन बैठा ने कहा कि यह कॉम्प्लेक्स "सुरक्षा प्रथम, नवाचार एवं आत्मनिर्भरता" की कार्यसंस्कृति के प्रति एसएमएस-3 की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

"एक शाम देश के नाम" : देशभक्ति से सराबोर हुई वैशाली नगर की सांस्कृतिक संध्या

1500 से अधिक दर्शकों ने लिया आनंद, नन्हे कलाकारों ने बिखेरी अपनी अनमोल प्रतिभा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर HMGM मोदी ग्रुप के अध्यक्ष लोकेश पाण्डेय के नेतृत्व में "एक शाम देश के नाम" देशभक्ति कार्यक्रम एवं भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति की भावना चरम पर रही और सैकड़ों बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में लगभग 1500 दर्शकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। नन्हे कलाकारों ने नृत्य, गायन, कविता पाठ और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। देशभक्ति गीतों और प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथियों ने की सराहना

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कारगिल युद्ध के अमर शहीद वीर चक्र विजेता नायक कौशल यादव की पत्नी निशा यादव और कैबिनेट मंत्री राकेश पाण्डेय रहे। दोनों ने HMGM टीम की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम पूरे प्रदेश स्तर पर आयोजित किए जाने चाहिए। इससे बच्चों में छिपी प्रतिभाओं को उचित मंच मिलेगा और उनकी कला प्रदेश के साथ-साथ पूरे देश तक पहुंचेगी।

गणमान्य अतिथि रहे उपस्थित

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में दिव्या रतन भसीन, भोजराज सिंह, कन्हैया सोनी, बृजेश बृजपुरिया, प्रभुनाथ मिश्रा, अजय जैन, राम उपकर तिवारी, शारदा गुप्ता, गोकलेश तिवारी, संगम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम ने "देश पहले" और "राष्ट्रभक्ति सर्वोपरि" का संदेश देते हुए स्वतंत्रता दिवस की भावना को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में HMGM के सदस्य राजेश कुमार, प्रवीण सिंह, विनय टंडन, आमिर, लक्ष्मण वर्मा, मंजू जांगड़े, अनूप पाण्डेय, सुमित शर्मा, अक्षय सिंह, समीर वर्मा, आश्विन वासनिक, राहुल पांडेय, कुणाल अगासे, चिंटू, रौशन सहित पूरी टीम का सहयोग रहा।

तपस्या से संपूर्णता की ओर बढ़ने का आह्वान, दुनिया को आज पवित्र आत्माओं की जरूरत-सूरज भाई

आनंद सरोवर में योग तपस्या भट्ठी, 2 हजार से अधिक भाई-बहनों ने लिया भाग ; दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संसार को आज पवित्र आत्माओं की आवश्यकता है। भटकते हुए मन को शांत कर देना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। संगमयुग का एक-एक क्षण अमूल्य है, इसलिए हर पल यह देखना होगा कि हमारा समय किन बातों में बीत रहा है। यह संदेश ब्रह्माकुमारीज के वरिष्ठ राजयोगी एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक सूरज भाई ने बघेरा स्थित आनंद सरोवर में आयोजित एक दिवसीय ह्यतपस्या से संपूर्णता की ओरह्ल योग तपस्या भट्ठी में दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सूरज भाई, गीता दीदी, रुपेश भाई ब्रह्माकुमारी दुर्ग की मुख्य संचालिका रीटा दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। नन्ही कुमारियों ने मनोहारी नृत्य प्रस्तुति से अतिथियों का स्वागत किया, वहीं ब्रह्माकुमारी बहनों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर दुर्ग शहर सहित ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से 2

हजार से अधिक भाई-बहनों ने योग तपस्या भट्ठी में सहभागिता की।

सूरज भाई ने कहा कि श्रेष्ठ तपस्वी बनने के लिए केवल ज्ञान सुनना पर्याप्त नहीं, बल्कि अटेंशन और अभ्यास को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। वर्तमान समय में मनुष्य के स्वभाव और संस्कारों में आई गिरावट का परिणाम समाज में अशांति और दुःख

के रूप में दिखाई दे रहा है। ऐसे समय में परमात्मा की छत्रछाया में रहकर अपने विचार, संस्कार और कर्मों को श्रेष्ठ बनाना ही वास्तविक तपस्या है।

उन्होंने कहा कि जीवन की सर्वोच्च स्थिति परमात्मा की स्मृति में स्थित होकर देह का त्याग करना है। आत्मा में सदैव श्रेष्ठ विचार और सकारात्मक भावनाएं भरते हुए संगमयुग के अमूल्य समय का श्रेष्ठ उपयोग करना चाहिए।

शिक्षा को जीवन में उतारना ही सच्चा पुरुषार्थ : गीता दीदी

गीता दीदी ने कहा कि परमात्मा की शिक्षाओं को केवल सुनना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन में उतारना ही सच्चा पुरुषार्थ है। मन, वचन और कर्म से सभी को सुख देना ही जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। जब हमारे गुण और कर्म परमात्मा की शिक्षाओं के अनुरूप होने लगेंगे, तब जीवन में दिव्यता दिखाई देने लगेगी।

तोड़ना-मोड़ना-जोड़ना बने जीवन परिवर्तन का मंत्र : रुपेश भाई

रुपेश भाई ने योग भट्ठी को आत्मिक शक्ति प्राप्त करने और लक्ष्य की स्मृति को मजबूत करने का माध्यम बताया। उन्होंने ह्यतोड़ना, मोड़ना और जोड़नाह्ल को जीवन परिवर्तन का सूत्र बताते हुए कहा कि सर्वे के साथ कर्म बंधन है उसे तोड़ना, पुराने नकारात्मक स्वभाव और संस्कारों है, उन्हें सकारात्मक दिशा में मोड़ना और अपने सभी संबंध परमात्मा से जोड़ना है।

उल्लेखनीय है कि सूरज भाई को उनके आध्यात्मिक सेवाओं के लिए इंटरनेशनल सोशल आइकन अवार्ड 2014, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी लंदन द्वारा नेल्सन मंडेला अवार्ड 2023, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा स्पिरिचुअल लीडरशिप अवार्ड, विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ द्वारा विद्यावाचस्पति (पी एच डी) मानद अवार्ड आदि द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। पीस ऑफ माइंड चैनल द्वारा प्रसारित समाधान कार्यक्रम के द्वारा वे अनेको लोगों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की मुख्य संचालिका रीटा दीदी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए योग तपस्या भट्ठी को आत्मिक शक्ति और श्रेष्ठ संस्कारों की प्राप्ति का अवसर बताया। सावन मास की आध्यात्मिक भावना के अनुरूप आयोजित इस योग भट्ठी में दिन भर राजयोग, आत्मचिंतन और तपस्या का वातावरण बना रहा। उपस्थित भाई-बहनों ने परमात्म स्मृति में योग साधना करते हुए आत्मिक शांति, शक्ति और सकारात्मक जीवन का संकल्प लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी रूपाली बहन जी ने किया।

अपनी माटी और खेती-किसानी से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का है आत्मीय जुड़ाव

गृहग्राम बगिया में सुबह-सुबह खेत पहुंचे मुख्यमंत्री, बैलों के साथ हल चलाकर की बियासी, हल की मूठ थामते ही जीवंत हुईं खेती-किसानी से जुड़ी पुरानी स्मृतियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का अपनी माटी और खेती-किसानी से गहरा जुड़ाव आज एक बार फिर देखने को मिला। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के अपने गृहग्राम बगिया में खेत पहुंचे और पारंपरिक रूप से बैलों की जोड़ी के साथ हल चलाकर बियासी की। खेत में उतरकर हल की मूठ थामे मुख्यमंत्री श्री साय सहज ही एक किसान की भूमिका में नजर आए। इस दौरान उन्होंने खेती-किसानी से जुड़ी अपनी पुरानी स्मृतियों को भी साझा किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने हरे-भरे खेत में मिट्टी की सौंधी सुगंध और बैलों के साथ खेती करते हुए कहा कि अपने गांव, अपनी माटी और अपने खेत से जुड़ाव का सुख ही अलग है। हल की मूठ थामते ही खेती-किसानी से जुड़ी पुरानी स्मृतियां एक बार फिर जीवंत हो उठती हैं। खेतों के बीच बिताया समय मन को असीम सुकून देने के साथ नई ऊर्जा से भर देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वे स्वयं किसान परिवार से आते हैं और बचपन से खेती-किसानी को बहुत करीब से देखा और अनुभव किया है। खेती उनके लिए केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है। गांव और खेतों ने ही उन्हें श्रम का सम्मान करना, प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलना और अपनी जड़ों से जुड़े रहना सिखाया है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की माटी, मेहनतकश किसानों और समृद्ध कृषि परंपराओं से जुड़ी हुई है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। पीढ़ियों से हमारे किसान अपने परिश्रम से धरती को सींचते हुए प्रदेश की समृद्धि की नींव मजबूत करते आए हैं। छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहार, परंपराएं और ग्रामीण जीवन भी कृषि से गहराई से जुड़े हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में भी अपनी परंपराओं और जड़ों से जुड़ाव बनाए रखना महत्वपूर्ण है। खेती हमें परिश्रम, धैर्य और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देती है। किसान खेत में केवल फसल नहीं उगाता, बल्कि अपने श्रम से पूरे समाज के जीवन और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी संबल देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी, हमारी समृद्ध कृषि परंपरा और हमारे मेहनतकश अन्नदाता किसान सदैव उनके हृदय के सबसे करीब हैं। किसानों की खुशहाली और कृषि की समृद्धि ही प्रदेश की समृद्धि का मजबूत आधार है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अन्नदाता किसानों के परिश्रम को नमन करते हुए उनके जीवन में खुशहाली तथा खेतों में भरपूर फसल की कामना की।

खेती से मुख्यमंत्री का रहा है पुराना नाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जीवन ग्रामीण परिवेश और खेती-किसानी से गहराई से जुड़ा रहा है। सार्वजनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच जब भी उन्हें अवसर मिलता है, वे अपने गांव, खेत और ग्रामीण परिवेश से जुड़कर आत्मीयता का अनुभव करते हैं। आज सुबह गृहग्राम बगिया के खेत में बैलों के साथ हल चलाते मुख्यमंत्री की सहजता में अपनी माटी और कृषि परंपरा के प्रति उनका यही गहरा लगाव दिखाई दिया।

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सावन सोमवार और नागपंचमी पर की पूजा-अर्चना की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सावन मास की पुण्य बेला और नागपंचमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय एवं परिवार के सदस्यों के साथ गृहग्राम बगिया स्थित श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव का अभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली के साथ छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। मैनी नदी के सुरम्य तट पर स्थित श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में 17 से 19 अगस्त तक एक लाख 11 हजार 111 पार्थिव शिवलिंग के निर्माण एवं पूजन का तीन दिवसीय विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय एवं श्रीमती कौशल्या साय ने श्रद्धालुओं के साथ अपने हाथों से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया और विधि-विधान से पूजन एवं अभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो उठा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को नागपंचमी एवं पवित्र सावन मास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का विशेष अवसर है। भगवान भोलेनाथ लोकमंगल और कल्याण के प्रतीक हैं। उन्होंने कामना की कि महादेव की कृपा छत्तीसगढ़ के प्रत्येक परिवार पर बनी रहे, हमारे अन्नदाता किसानों के खेत-खलिहान समृद्ध हों और प्रदेश में सुख, शांति एवं खुशहाली निरंतर बढ़ती रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति और परमात्मा के प्रति श्रद्धा का अद्भुत समन्वय है। नदियां, वन, पर्वत और जीव-जगत हमारी आस्था एवं जीवन परंपरा के अभिन्न अंग हैं। सावन के पवित्र महीने में शिव आराधना हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, लोककल्याण और सेवा का संदेश देती है।

आस्था और भक्ति का केंद्र बना श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर

तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान को लेकर श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर सहित आसपास के क्षेत्र में उत्साह और भक्तिमय वातावरण है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान भोलेनाथ की आराधना कर रहे हैं। आयोजन के दौरान पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन, अभिषेक, आरती, पूर्णाहुति और प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। प्रथम दिन 17 अगस्त को पार्थिव शिवलिंग निर्माण के साथ पूजन-अभिषेक, आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। 18 अगस्त को भी पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन एवं अभिषेक के बाद आरती और प्रसाद वितरण होगा। तीन दिवसीय अनुष्ठान का समापन 19 अगस्त को पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं विशेष पूर्णाहुति के साथ होगा।

लोकमंगल की कामना के साथ एक लाख 11 हजार 111 पार्थिव शिवलिंग

इस विशेष अनुष्ठान में एक लाख 11 हजार 111 पार्थिव शिवलिंग के निर्माण और पूजन का संकल्प लिया गया है। श्रद्धालु सामूहिक रूप से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान भोलेनाथ की आराधना कर रहे हैं। सामूहिक शिव आराधना के माध्यम से प्रदेश और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं लोककल्याण की कामना की जा रही है। तीन दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान से बगिया और आसपास का पूरा क्षेत्र शिवभक्ति में सराबोर है। मैनी नदी के तट पर वैदिक मंत्रोच्चार, शिव आराधना और श्रद्धालुओं के जयघोष के बीच श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर आस्था और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बना हुआ है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट का किया भव्य शुभारंभ

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को मिली नई मजबूती

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के पचपेड़ी नाका स्थित रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल परिसर में अत्याधुनिक रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने नई कैंसर इकाई में उपलब्ध उपचार सुविधाओं एवं अत्याधुनिक मशीनरी का अवलोकन किया तथा अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों को इस महत्वपूर्ण पहल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान श्री साय ने डॉ. संदीप दवे के भाई प्रदीप दवे को पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल पिछले 36 वर्षों से छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. संदीप दवे के भाई स्व. प्रदीप दवे का कैंसर से निधन हुआ था। इस व्यक्तिगत पीड़ा ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ व्यापक स्तर पर काम करने का संकल्प मजबूत किया। आज उसी संकल्प का परिणाम रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान आने वाले समय में हजारों-लाखों लोगों को बेहतर कैंसर उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ा है। कैंसर मरीजों को अब एक ही परिसर में जांच, उपचार और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने डॉ. संदीप दवे और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की ऐसी पहल से प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को और गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में स्वास्थ्य संस्थानों के विस्तार को गति मिली और वर्तमान सरकार भी पिछले ढाई वर्षों से प्रदेश के कोने-कोने तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेशवासियों को उपचार के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े और उन्हें आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं अपने ही प्रदेश में उपलब्ध हों।

कैंसर की रोकथाम में स्क्रीनिंग और शुरुआती जांच जरूरी : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट के शुभारंभ को छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के पीछे सेवा और संवेदना की भावना जुड़ी हुई है। डॉ. दवे के भाई की कैंसर से मृत्यु ने उन्हें गहरा आघात दिया और संभवतः इसी पीड़ा ने कैंसर के उपचार के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करने की प्रेरणा दी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि कैंसर केवल मरीज की नहीं, बल्कि पूरे परिवार की सामूहिक पीड़ा होती है। उन्होंने कैंसर की समय पर पहचान के लिए नियमित स्क्रीनिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शुरुआती चरण में कैंसर की पहचान होने पर उपचार की संभावनाएं काफी बेहतर हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में पहले से उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के साथ अब कैंसर उपचार की सुविधा जुड़ने से मरीजों को एक ही छत के नीचे व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट के शुभारंभ से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण नई कड़ी जुड़ी है। इसका लाभ छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य हिस्सों के मरीजों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ में केवल एक मेडिकल कॉलेज था। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 10 हुई और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पिछले ढाई वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के बाद प्रदेश में अब 15 मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में प्रदेश में सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवाओं का भी विस्तार हुआ है।

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक मोतीलाल साहू, चिकित्सक, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोग एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

वैद्य फूड में राजस्व, खाद्य औषधि और पुलिस की संयुक्त टीम ने दी दबिश, 200 किलो पनीर किया जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

एनालॉग पनीर के निर्माण एवं विक्रय पर प्रतिबंध के उल्लंघन की आशंका को देखते हुए राजस्व,खाद्य एवं औषधि प्रशासन, पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने महासमुंद के भलेसर रोड स्थित वैद्य फूड में बीती देर रात दबिश दी। इस कार्रवाई के दौरान लगभग तीन घंटे तक संस्थान की जांच की गई।

रात्रि करीब 12 बजे राजस्व तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त टीम वैद्य फूड पहुंची। जांच के दौरान मध्य रात्रि में पनीर का निर्माण किए जाने की स्थिति सामने आई। मौके पर उपलब्ध पनीर की गुणवत्ता एवं निर्माण में प्रयुक्त सामग्री को लेकर संदेह उत्पन्न होने पर लगभग 200 किलोग्राम पनीर को जब्त किया गया। अधिकारियों द्वारा मौके पर उपलब्ध खाद्य सामग्री एवं निर्माण प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी भी संकलित की गई। आज सुबह कार्रवाई के दौरान विभाग द्वारा सील किए गए कोल्ड स्टोरेज में रखी खाद्य सामग्री को नियमानुसार खोलकर उसकी जांच की गई। खाद्य सामग्री की पुष्टि एवं गुणवत्ता परीक्षण के लिए पनीर का नमूना लिया गया, जिसे जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा गया है।

रिपोर्ट के आधार पर होगी आगामी कार्रवाई

अभिहित अधिकारी उमेश कुमार ने बताया कि जब्त पनीर का नमूना राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा प्रतिबंधित अथवा मिलावटी खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण रखना है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देश अनुसार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

वन मंडल की बड़ी कार्रवाई : रात्रि गश्ती में अवैध सागौन से लदा पिकअप वाहन जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वन विभाग द्वारा वन क्षेत्रों में लगातार रात्रि गश्ती, निगरानी और जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अवैध कटाई और काष्ठ परिवहन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके तथा प्रदेश के वन एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निदेशानुसार प्रदेश में वनों की अवैध कटाई और काष्ठ परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोरबा वन मंडल की टीम ने रात्रि गश्ती के दौरान अवैध सागौन लकड़ी से लदा बोलेरो मैक्स पिकअप वाहन जब्त किया है। वन परिक्षेत्र कोरबा के भूलसीडीह क्षेत्र में सागौन की अवैध

कटाई और लकड़ी के अवैध परिवहन की सूचना वन विभाग को मिली थी। सूचना के आधार पर झगराहा से भूलसीडीह वन नाके के बीच वन मार्ग पर निगरानी बढ़ाई गई। रात्रि गश्ती के दौरान जंगल की ओर से आ रहे बोलेरो मैक्स पिकअप वाहन क्रमांक CG 13 AY 1202 को रोककर जांच की गई। वाहन में अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे सागौन के 26 लट्ठे मिले। बरामद सागौन की मात्रा लगभग 2 घन मीटर है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 85 हजार रुपए बताई गई है। वन विभाग की टीम ने वाहन और लकड़ी को जब्त कर भारतीय वन अधिनियम, 1927 की संबंधित धाराओं के तहत पी.ओ.आर. दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

यह कार्रवाई वन मंडलाधिकारी कोरबा जितेंद्र कुमार उपाध्याय के आदेशानुसार तथा उप वन मंडलाधिकारी उत्तर कोरबा राम सिंह राठिया और उप वन मंडलाधिकारी दक्षिण कोरबा सूर्यकांत सोनी के निर्देशन में की गई। वन परिक्षेत्र अधिकारी मृत्युंजय शर्मा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक अश्मन आडिल, परिसर रक्षक गुरुवेंद्र कुर्रे, अर्जुन सिंह कंवर, बलराम राठिया, कर्मचारी चंद्रशेखर राठिया सहित अन्य वनकर्मी शामिल रहे।

ग्रामीणों और वन समितियों का रहा सहयोग

अवैध काष्ठ परिवहन की सूचना देने में स्थानीय मुखबिरों तथा संयुक्त वन प्रबंधन समिति डुमरडीह-भूलसीडीह के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग ने उनके सहयोग की सराहना की है। ग्रामीणों ने भी वन संरक्षण के लिए विभाग द्वारा की जा रही त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

अबूझमाड़ की पारंपरिक स्वास्थ्य और भोजन परंपरा पर विदेशों से भी हो रहा शोध

वैद्य सम्मेलन में पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और वनौषधियों के संवर्धन पर जोर, औषधि पादप बोर्ड ने किया स्वास्थ्य परंपरा वैद्यों को प्रोत्साहन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में पारंपरिक स्वास्थ्य परंपरा और वनौषधीय ज्ञान को संरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। यह संस्था स्थानीय वैद्यों के प्रमाणीकरण, जड़ी-बूटियों के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और सतत कटाई को बढ़ावा देती है।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध पारंपरिक स्वास्थ्य परंपरा और वनौषधीय ज्ञान को संरक्षित करने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और वन मंत्री केदार कश्यप के निदेशानुसार छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा वैद्यों को प्रोत्साहित करने के साथ उनके पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित और आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विगत 14 अगस्त को नारायणपुर वनमंडल कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय वैद्य सम्मेलन आयोजित किया गया।

वैद्यों ने साझा किया पारंपरिक उपचार का ज्ञान : बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। वनमंडल अधिकारी वेंकटेश एम. जी. ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। सम्मेलन में वैद्य रतन रंजन धर, कज्जाराम गोटा, रूपसिंह, सुखदेव, सोमनाथ, फूलसिंह, अमृतलाल और हरिचंद सहित अन्य वैद्यों ने पारंपरिक जड़ी-बूटियों और उपचार पद्धतियों से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। वैद्यों ने नारायणपुर में वनौषधियों के संरक्षण और लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर्बल गार्डन विकसित करने की मांग रखी।

वैद्यों के लिए कई योजनाएं संचालित : बोर्ड के कंसल्टेंट श्री अमित गुप्ता ने वैद्यों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वैद्य समूहों को जड़ी-बूटियों को उच्च गुणवत्ता के साथ पीसने के लिए निःशुल्क पल्वराइजर मशीन उपलब्ध कराई जा रही है। हीलर हर्बल गार्डन योजना के तहत वैद्य अपनी बाड़ी में सामान्य रूप से उपयोग होने वाली वनौषधियों का छोटा उद्यान विकसित कर सकते हैं। इसके लिए बोर्ड आर्थिक और तकनीकी सहयोग प्रदान करता है।

वैद्यों की पारंपरिक उपचार पद्धतियों के प्रमाणीकरण : वैद्यों के गांव में संचालित स्कूलों में स्कूल हर्बल गार्डन विकसित करने और उसके रखरखाव के लिए भी तकनीकी एवं आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसके अलावा वैद्यों की पारंपरिक उपचार पद्धतियों के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया फब्ब्‌ के माध्यम से संचालित की जा रही है, जिससे पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान को व्यवस्थित रूप से संरक्षित और प्रमाणित करने में मदद मिलेगी।

3 हजार हेक्टेयर में वनौषधियों का रोपण : वनमंडल अधिकारी वेंकटेश एमजी. ने सम्मेलन के आयोजन के लिए बोर्ड का आभार व्यक्त किया। उन्होंने वैद्यों की मांग पर नारायणपुर में हर्बल गार्डन विकसित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि नारायणपुर वनमंडल में वनौषधियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगभग 3 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में रोपण किया जा रहा है। वनौषधियों की रिपॉजिटरी तैयार करने के साथ वैद्यों के पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण भी किया जाएगा।

दुर्लभ वनौषधियों के संरक्षण में वैद्यों की महत्वपूर्ण भूमिका : बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वैद्यों के उत्थान और पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने वैद्यों से वनौषधियों के संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि रसना जड़ी, जो विलुप्ति की कगार पर है, नारायणपुर के छोटे डोंगर और बेनूर क्षेत्र के जंगलों में पाई जाती है। इसी तरह लगभग विलुप्तप्राय दहीमन भी नारायणपुर के जंगलों में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसी दुर्लभ वनौषधियों का संरक्षण सरकार और वैद्यों की साझा जिम्मेदारी है। बोर्ड द्वारा विलुप्तप्राय 50 दुर्लभ वनौषधियों की पहचान कर उनके संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जा रहा है।

अबूझमाड़ की परंपरा पर विदेशों से भी हो रहा शोध : श्री मरकाम ने कहा कि आज अबूझमाड़ की पारंपरिक स्वास्थ्य और भोजन परंपरा पर शोध करने के लिए विदेशों से भी अनुसंधानकर्ता आ रहे हैं। यह छत्तीसगढ़ की समृद्ध पारंपरिक ज्ञान परंपरा की वैश्विक पहचान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस पारंपरिक ज्ञान और वनौषधीय विरासत को सहेजने की बड़ी जिम्मेदारी स्थानीय वैद्यों की भी है।

वैद्यों की समस्याओं के समाधान के निर्देश : सम्मेलन में विकास मरकाम ने वैद्यों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने छोटी-छोटी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए वनमंडल अधिकारी वेंकटेश एम. जी. को आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम के अंत में बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने सम्मेलन में शामिल सभी वैद्यों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर उपवनमंडल अधिकारी हीरे सिंह उइके, श्रीमती प्रीति यादव, राजेश कश्यप, परिक्षेत्र अधिकारी इंद्र कुमार यादव, भोगनाथ नायक, श्रीमती वर्षा कश्यप, भूषण सिंह ठाकुर सहित नारायणपुर वनमंडल एवं बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

यूं ही नहीं कहा जाता है, सरकार बदलने वाली है

कांग्रेस है तो गुटबाजी है, बगैर गुटबाजी के कांग्रेस हो ही नहीं सकती। गुटबाजी है इसलिए होड़ लगी रहती है कि राज्य में कांग्रेस का सबसे बड़ा नेता कौन है। हर कोई मौका मिलने पर बयानों के जरिए यह साबित करता रहता है कि यहां का बड़ा नेता तो वही है। जितने गुट हैं, उतने बड़े नेता है।सबसे बड़ा व प्रभावी गुट भूपेश बघेल का है क्योंकि वह सीएम रह चुके हैं और अभी भी उनकी जितनी दिल्ली दरबार में पहुंच है, उतनी दूसरे नेताओं की नहीं मानी जाती है। दूसरे नेताओं के भी अपने गुट हैं लेकिन मौके का फायदा भूपेश बघेल अक्सर उठाते रहते हैं और साबित करते रहते हैं कि यहां तो कांग्रेस का सबसे बड़ा नेता मैं हीं हूं।जब भी कोई बड़ा आयोजन होता है तो वह उसका नेतृत्व करते हैं और साबित कर देते हैं कि यहां तो कांग्रेस का नेतृत्व करने वाले वही है। जब भी ईडी किसी कांग्रेस नेता को गिरफ्तार करती है तो कोई विरोध करे न करे भूपेश बघेल जरूर विरोध करने सामने आते हैं।

कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ ईडी ने मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया तो भूपेश बघेल के नेतृत्व में नेता सुभाष स्टेडियम स्थित ईडी दफ्तर का घेराव किया गया। ऐसा भूपेश बघेल ने पहली बार नहीं किया है,यहां ईडी ने जब भी किसी कांग्रेस नेता को किसी मामले में गिरफ्तार किया है तो भूपेश बघेल ने ही हमेशा सबसे पहले विरोध किया है और यह नरेटिव बनाने की कोशिश की है कि भाजपा की केंद्र सरकार के इशारे पर ईडी कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। कांग्रेस में दूसरे बड़े नेता भी हैं लेकिन वह भूपेश बघेल की तरह विरोध करने सामने नहीं आते हैं।जबकि भूपेश बघेल विरोध के लिए सामने आते हैं, गिरफ्तार नेता से मिलने जाते है, यह एहसास कराना नहीं भूलते हैं कि वह उनके साथ और पार्टी भी उनके साथ है। एक बड़े नेता का यह काम होता है कि जब पार्टी के किसी नेता को किसी भी वजह से गिरफ्तार किया जाए तो उसे कम से कम सांत्वना तो दे जाकर पार्टी उनके साथ है।इससे पार्टी के नेता का हौसला बना रहता है वह टूटता नहीं है। भूपेश बघेल जानते है कि गिरफ्तार नेता टूटा को पार्टी को नुकसान होगा, राजनीतिक रूप से नुकसान होगा और इसका फायदा सत्तारूढ़ दल को होगा। सत्तारूढ़ दल तो अपने राजनीतिक फायदे के लिए यह साबित करता है कि पिछली सरकार में एक नहीं कई भ्रष्टाचार के मामले हुए है और जांच में मिले सबूत के आधार पर लोगों का गिरफ्तार किया जा रहा है। भूपेश बघेल इसका काउंटर नरेटिव बनाते रहते हैं।

यही नहीं भूपेश बघेल एक काम और करते हैं जो कोई दूसरा कांग्रेस नेता कर सकता है लेकिन करता नहीं है। वह ईडी सहित शासकीय अधिकारियों को चेतावनी देने के बहाने डराते रहते हैं कि यह सरकार बदलने वाली है यानी यह सरकार हमेशा नहीं रहने वाली है, हमारी सरकार आएगी तो तुमको बताएंगे कि हम क्या कर सकते हैं। यह सच भी है कि जब भी सरकार बदलेगी तो कांग्रेस की ही सरकार आएंगी। रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी पर भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा की चाटुकारिता करने वाली ईडी संभल जाए यह सरकार बदलने वाली है।साथ ही वह यह भी बताने का प्रयास करते हैं कि प्रदेश में कोयला,रेत, शराब में अवैध वसूली हो रही है, शराब में ओवर रेंटिंग हो रही है लेकिन ईडी कार्रवाई नहीं करती है। भूपेश बघेल एक तरफ तो अधिकारियों को डराते हैं हमारी सरकार आने वाली है, दूसरी तरफ वह कांग्रेस के अपने समर्थकों को यह संदेश भी देते रहते हैं कि सरकार आएगी तो मेरे कारण आएगी, मेरे नेतृत्व में ही आएगी।कारण मैं एक बार यहां कांग्रेस की सरकार बनवा सकता हूं तो दूसरी बार भी बनवा सकता हूं।इसका परिणाम यह होता है कि भूपेश बघेल के समर्थक उनके साथ ही बने रहते हैं, वह दूसरे गुट में नहीं जाते हैं। भूपेश बघेल का सबसे बड़ा गुट सबसे बड़ा गुट ही बना रहता है।

चाहे राज्य में हरेली का पर्व मनाना हो या विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई ने देने का मामला हो, भूपेश बघेल ही आगे रहते हैं और सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा करते हैं, कांग्रेस में और भी नेता हैं वह भी यह काम कर सकते हैं लेकिन करते नहीं है इससे ऐसा लगता है कि कांग्रेस की कमान तो यहां भूपेश बघेल ही संभालते हैं। कांग्रेस सत्ता मे थी तो हरेली तिहार भूपेश निवास पर मनाया जाता था और कांग्रेस सत्ता में नहीं है तो भी भूपेश निवास में मनाया गया और राज्य के लोगों को बताया गया कि हमारी सरकार के समय छत्तीसगढ़ी त्यौहार व परंपरा को हमने ऊंचाई पर पहुंचाया था,वह आज खत्म हो गया है, छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो नहीं लगाई जा रही है,विश्व आदिवासी दिवस पर सीएम आदिवासी होने के बाद भी सरकार की ओर से बधाई नहीं दी जा रही है। यानी सरकार को घेरने का काम भी प्रमुखता से भूपेश बघेल ही करते हैं, इससे संदेश तो यही जाता है कि यहां के सबसे बड़े कांग्रेस नेता भूपेश बघेल हैं।

भूपेश बघेल के सवालों का जवाब भी जब सरकार की ओर दिया जाता है तो फिर साबित हो जाता है कि भूपेश बघेल ही सरकार से सवाल करते है और सरकार उनके सवालों का जवाब देना पड़ता है। विश्व आदिवासी दिवस पर भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार से सवाल किया तो भाजपा की तरफ से यह जवाब दिया गया कि भारत अपने जनजातीय वीरों के शौर्य व बलिदान को सम्मान देने के लिए जनजातीय गौरव दिवस मनाता है,विश्व आदिवासी दिवस तो जनजातीय समाज से जुड़ी विदेशी अवधारणा का प्रतीक है।कांग्रेस तो आदिवासी समाज को वोट बैंक समझती है,भाजपा ने आदिवासियो को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा, रोजगार व नेतृत्व के अवसर बढ़ाए हैं। कांग्रेस के अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो गया है,उसे लेकर भी गुटबाजी होती रहती है,अब तक तो छत्तीसगढ़ में ज्यादातर समय कांग्रेस अध्यक्ष भी भूपेश बघेल की पसंद का रहा है इससे उनकी संगठन पर मजबूत पकड़ रही है।अगला अध्यक्ष किसको बनाया जाता है, इससे फिर एक बार साफ होगा कि वह भूपेश बघेल की पसंद को होगा या नहीं।यहां की राजनीति में कौन प्रभावी रहेगा।

औद्योगिक निवेश से रोजगार का नया आधार बन रहा नवा रायपुर अटल नगर

सुनील त्रिपाठी, सहायक संचालक जनसंपर्क, रायपुर

राजधानी से रोजगारधानी की ओर बढ़ता नवा रायपुर

नवा रायपुर अटल नगर अब केवल आधुनिक प्रशासनिक राजधानी के रूप में नहीं, बल्कि निवेश, उद्योग और रोजगार के नए केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। सुनियोजित शहरी विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और आधुनिक अधोसंरचना के साथ शहर में ऐसे उद्योगों को आकर्षित किया जा रहा है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार के नए अवसरों का आधार बन सकें।

नवा रायपुर में टेक्सटाइल, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और आईटी जैसे भविष्य के उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। औद्योगिक निवेश के इन प्रयासों का उद्देश्य केवल नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित करना नहीं, बल्कि विनिर्माण आधारित अर्थव्यवस्था को गति देना और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर तैयार करना भी है।

टेक्सटाइल पार्क : हजारों रोजगार का नया केंद्र

नवा रायपुर के लेयर-2 स्थित ग्राम कुर्रू में टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है। विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए इस परियोजना के लिए उरकऊ को 100 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश की शुरूआत अब जमीन पर भी दिखाई देने लगी है। स्विफ्ट टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड ने जून 2026 में 235 करोड़ रुपए के निवेश से गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का भूमिपूजन किया है। इस इकाई से करीब 4,650 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

वहीं पुनीत क्रिएशन के साथ 175 करोड़ रुपए के निवेश का समझौता किया गया है। इन परियोजनाओं को मिलाकर टेक्सटाइल पार्क में लगभग 10,000 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। इस तरह टेक्सटाइल पार्क नवा रायपुर में विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार के साथ रोजगार के नए अवसरों का महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

132 एकड़ में फार्मा पार्क, स्वास्थ्य उद्योग को मिलेगी नई गति

स्वास्थ्य और औषधि निर्माण के क्षेत्र में भी नवा रायपुर एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सेक्टर-22 में 132 एकड़ भूमि उरकऊ को आवंटित की गई है, जहां फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना में लगभग 2,000 करोड़ रुपए के निवेश और करीब 1,400 रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया है। फार्मा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों टोरेंट फार्मा, एविला फार्मास्युटिकल्स और विटालिस हेल्थ के साथ कुल 735 करोड़ रुपए के एमओयू किए जा चुके हैं। फार्मा पार्क के विकसित होने से दवा निर्माण के साथ इससे जुड़ी विभिन्न औद्योगिक और सहायक गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में भी बढ़ते कदम

भविष्य की अर्थव्यवस्था में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। नवा रायपुर ने इस क्षेत्र में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। यश फैंस ने 110 करोड़ रुपए के निवेश से होम अप्लायंसेज निर्माण इकाई शुरू की है। यह निवेश नवा रायपुर में इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरण निर्माण के क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रॉनिक कॉमन फैसिलिटी सेंटर (CFC) को भारत सरकार से स्वीकृति मिल चुकी है। यहां PCB प्रोटोटाइपिंग, 3ऊ प्रिंटिंग और EMC टेस्टिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

एमएसएमई टरटए बनेंगे औद्योगिक विकास की रीढ़

नवा रायपुर के औद्योगिक विकास की कहानी केवल बड़े निवेशों तक सीमित नहीं है। बड़े उद्योगों के साथ-साथ MSME क्षेत्र को भी मजबूत आधार दिया जा रहा है। सेक्टर-05 में विनिर्माण उद्योगों के लिए भूमि आवंटित की गई है। यहां वर्तमान में 1,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है, जबकि भविष्य में 12,000 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। MSME क्षेत्र के विस्तार से स्थानीय उद्यमिता और विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ बड़े उद्योगों के लिए सहायक औद्योगिक नेटवर्क विकसित होने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

निवेश से रोजगार और रोजगार से आर्थिक गतिविधियों का विस्तार

नवा रायपुर में विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों की तस्वीर बताती है कि शहर के विकास का अगला चरण प्रशासनिक राजधानी से आगे बढ़कर निवेश और रोजगार के केंद्र के रूप में आकार ले रहा है। टेक्सटाइल पार्क में लगभग 10,000 रोजगार, फार्मा पार्क में करीब 1,400 रोजगार और टरटए क्षेत्र में भविष्य में 12,000 से अधिक रोजगार की संभावनाएं—ये सभी मिलकर नवा रायपुर की अर्थव्यवस्था को अधिक विविध और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और आईटी क्षेत्र में विकसित हो रहा इकोसिस्टम नवा रायपुर की औद्योगिक संभावनाओं को और व्यापक बना रहा है। शहर में 2,000 सीटों वाला प्लग एंड प्ले आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है, जहां Square Business Services, Vrize India और Vision Plus जैसी आईटी कंपनियां कार्य कर रही हैं।

निवेश की नई तस्वीर, रोजगार का नया भविष्य

नवा रायपुर में औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण पहलू सेक्टर आधारित औद्योगिक क्लस्टरों का विकास है। टेक्सटाइल के लिए अलग क्षेत्र, फार्मा के लिए समर्पित पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की शुरूआत और MSME के लिए औद्योगिक भूमि—ये प्रयास शहर की अर्थव्यवस्था को विविधता प्रदान कर रहे हैं।

औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के साथ परिवहन, लॉजिस्टिक्स और अन्य सहायक सेवाओं के विकास की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। नवा रायपुर में CBD रेलवे स्टेशन संचालित है और सेक्टर-1 तथा सेक्टर-40 में आधुनिक लॉजिस्टिक्स हब प्रस्तावित हैं।

आईटी, डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर से बनेगा भविष्य का डिजिटल इकोसिस्टम

नवा रायपुर में औद्योगिक विकास का दायरा पारंपरिक विनिर्माण तक सीमित नहीं है। सेक्टर-22 में CBD रेलवे स्टेशन के पास करीब 1,000 करोड़ रुपए की लागत से AI आधारित डेटा सेंटर पार्क विकसित किया जा रहा है। इसे RackBank करीब 13.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित कर रही है, जिसमें एक हिस्सा रऐ के रूप में विकसित होगा। इसके अलावा CtrlS भी नवा रायपुर में अपना डेटा सेंटर स्थापित करने जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंजीनियरिंग आधारित दूसरे रऐ को भी मंजूरी मिल चुकी है। इसमें पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 5G और 6G तकनीक के लिए GaN आधारित सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन करेगी।

युवाओं के लिए बदल रहा अवसरों का परिदृश्य

नवा रायपुर का औद्योगिक विस्तार युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के नए अवसरों का आधार तैयार कर रहा है। टेक्सटाइल, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और सेमीकंडक्टर जैसे विविध क्षेत्रों के विकास से उत्पादन, तकनीकी सेवाओं, प्रबंधन और अन्य कौशल आधारित क्षेत्रों में अवसर बढ़ने की संभावनाएं हैं। इस लिहाज से नवा रायपुर की नई औद्योगिक तस्वीर केवल निवेश और कारखानों की कहानी नहीं है, बल्कि रोजगार आधारित आर्थिक विकास की दिशा में बढ़ते कदमों की भी कहानी है।

नवा रायपुर की बदलती पहचान

एक ओर नवा रायपुर में आधुनिक राजधानी की अधोसंरचना विकसित हो रही है, वहीं दूसरी ओर औद्योगिक निवेश की नई परियोजनाएं शहर की आर्थिक तस्वीर को नया आकार दे रही हैं। भूमि, निवेश, उद्योग और रोजगार को एक-दूसरे से जोड़कर नवा रायपुर को ऐसी अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें औद्योगिक विकास के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ें। यही औद्योगिक विस्तार नवा रायपुर अटल नगर को आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के निवेश और रोजगार के प्रमुख केंद्रों में शामिल करने की मजबूत संभावनाएं तैयार कर रहा है।

एक शहर, कई औद्योगिक संभावनाएं

नवा रायपुर अटल नगर की विकास यात्रा अब केवल प्रशासनिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रह गई है। औद्योगिक निवेश को शहर की विकास रणनीति से जोड़कर रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

टेक्सटाइल पार्क में हजारों रोजगार की संभावना से लेकर फार्मा पार्क में बड़े निवेश, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की शुरूआत, MSME क्षेत्र के विस्तार और अकडेटा सेंटर व सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य के क्षेत्रों में निवेश तक—नवा रायपुर में उद्योगों की ऐसी श्रृंखला तैयार हो रही है, जो आने वाले वर्षों में शहर की आर्थिक पहचान को नई दिशा दे सकती है। आधुनिक राजधानी के रूप में पहचान बना चुका नवा रायपुर अब निवेश, उद्योग और रोजगार के नए गंतव्य के रूप में अपनी अगली पहचान गढ़ रहा है।

गड्ढों, खुले मैनहोल और टूटी सड़कों के बीच जीवन – नागरिक कब सुरक्षित होंगे?

डॉ. प्रियंका सौरभ

मृत्यु कब, कहाँ और कैसे आएगी, यह अज्ञात है। हमारे जीवन में, जो सामान्य सी बात लगती है, वैसे ही कई ऐसे खतरे बढ़ते जा रहे हैं जो असाधारण प्रतीत होते हैं। सड़कों पर अनगिनत गड्ढे हैं, सड़कें और गलियाँ उबड़-खाबड़ हैं, नालियाँ खुली नहीं हैं, सीवर के मैनहोल खुले नहीं हैं, कई जगहों पर सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हैं। कुछ इलाकों में स्कूलों की छतें बच्चों पर गिर जाती हैं, तो कुछ इलाकों में अस्पतालों की छतें या स्लैब मरीजों और कर्मचारियों पर गिर जाते हैं। स्कूल बसें पलट जाती हैं, सड़क के विपरीत दिशा से आ रही गाड़ियाँ अचानक मुड़ जाती हैं और गली बच्चों के लिए मौत का जाल बन जाती है, जानवर गली में इधर-उधर घूमते रहते हैं और बुजुर्ग राहगीरों को परेशान करते हैं, और भारी बारिश के बाद बच्चे एक आम सड़क पर फंस जाते हैं और वह मौत का इलाका बन जाती है।

रोहतक में लगभग छह इंच बारिश के बाद जलभराव में डूबने से आठ साल के बच्चे की मौत ने एक बार फिर एक चिंताजनक सवाल खड़ा कर दिया है: एक नागरिक के जीवन का क्या मूल्य है? मानसून का मौसम साल में एक बार आता है। हर साल शहरों में जलभराव होता है। जल निकासी और सीवरेज व्यवस्था, नालियां और सड़कें हर साल समस्या बनी रहती हैं। अधिकारी कहते हैं कि वे तैयार हैं और हर साल सुधार किए जाते हैं। हालांकि, कुछ ही घंटों की बारिश इन दावों की सच्चाई को उजागर करने के लिए काफी होती है, क्योंकि प्रशासन प्रबंधन में विफल रहता है और बारिश का पानी सड़कों पर बह जाता है। यह सिर्फ एक बच्चे की मौत का मामला नहीं है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां रोकी जा सकने वाली त्रासदी को अक्सर एक दुर्घटना, एक महज संयोग, भाग्य मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, और दोष कहीं और डाल दिया जाता है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां रोकी जा सकने वाली त्रासदी को अक्सर यह एक दुर्घटना थी, यह हमारी गलती नहीं थी, या हम और क्या कर सकते थे? कहकर टाल दिया जाता है।

नागरिक बुनियादी ढांचे की विफलता मात्र ही नहीं है, बल्कि यह जिस तरह से विफल हो रहा है वह बेहद चिंताजनक है। बदलाव यह आया है कि नागरिक अब विफलता को स्वाभाविक मान चुके हैं। सड़क में गड्ढा है और लोग कहते हैं कि यह हमेशा से यहीं था। फुटपाथ में गड्ढा है और लोग कहते हैं, सावधान रहें। जलभराव है और लोग कहते हैं, बारिश के बाद ऐसा ही होता है। मवेशी सड़क पर भटक रहे हैं और लोग कहते हैं, कोई क्या कर सकता है? स्कूल की इमारत स्पष्ट रूप से असुरक्षित है और लोग सोचते हैं कि अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए। यह एक सरकारी अस्पताल है जिसकी हालत खराब है और लोग कहते हैं, सरकारी अस्पतालों का यही हाल होता है। यह रवैया खतरनाक है क्योंकि यह सामान्य बात और जीवनशैली बन जाता है। यदि नागरिक जोखिम को अपने जीवन का सामान्य हिस्सा मानने लगें, तो प्रशासन पर सुधार का दबाव भी कम हो जाता है।

हमें किसी भी रोकी जा सकने वाली त्रासदी को दुर्घटना मानकर बंद करना होगा। जब कई महीनों से सड़क पर मौजूद गड्ढे के कारण लोगों की मृत्यु हो जाती है, तो सवाल सिर्फ यह नहीं उठता कि क्या हुआ, बल्कि यह भी उठता है कि सड़क पर खतरा क्यों बना रहा? यदि अधिकारियों को खुले मैनहोल की जानकारी है और वे उसे सुरक्षित करने के लिए कदम नहीं उठाते हैं, और कोई बच्चा गड्ढे में गिर जाता है, तो इसे दुर्भाग्य कहना उचित नहीं होगा। स्कूल भवन का अनावश्यक रूप से गिर जाना सिर्फ एक बुरी घटना नहीं मानी जानी चाहिए। यह बात अस्पताल की सुरक्षा, स्कूल बसों की स्थिति, पुलों के रखरखाव, जल निकासी व्यवस्था और सड़क की गुणवत्ता के साथ-साथ स्कूलों में आवारा पशुओं के नियंत्रण पर भी लागू होती है। ये प्रशासनिक मामले नहीं हैं, बल्कि ये जन सुरक्षा और लोगों के जीवन से जुड़े मामले हैं।

लेकिन हमारे सार्वजनिक विमर्श की त्रासदी यह है कि हम बार-बार इन वास्तविक प्रश्नों से मुंह मोड़ लेते हैं। धार्मिक संदर्भ वाला कोई भी बयान समाज में आक्रोश पैदा कर सकता है। इसका परिणाम हजारों सोशल मीडिया पोस्ट, घंटों टीवी स्टूडियो बहस और राजनीतिक बयानबाजी के रूप में सामने आता है। आहत भावनाओं, पहचान और राष्ट्रीय सम्मान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होती है। हालांकि, ऐसे बच्चे की मौत के लिए जवाबदेही को लेकर जनता का निरंतर आक्रोश गायब है। क्यों? क्या धार्मिक विवाद होने पर एक आम आदमी के जीवन का महत्व कम हो जाता है? क्या खुले सीवर में बच्चे का डूबना स्थानीय खबर है? क्या किसी असुरक्षित सड़क पर किसान, मजदूर, बुजुर्ग या छात्र की मौत महज दुर्भाग्य की बात है? क्या ऐसा लगता है कि सरकार से जवाब मांगने के मामले में देश को चुनौती देना उनकी मांगों का जवाब देने के लिए मजबूर कर रहा है?

बिलकुल नहीं। सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है। लोग कर अदा करते हैं और सुरक्षित सड़कें, स्वच्छ शहर, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, सुरक्षित स्कूल, प्रभावी परिवहन और बुनियादी नागरिक अवसंरचना की अपेक्षा रखते हैं। ये विलासिता नहीं हैं। ये गरिमापूर्ण जीवन के लिए आवश्यक मूलभूत कारक हैं। देशभक्ति सरकार की किसी भी गलती को छुपाने का बहाना नहीं है। राष्ट्रवाद का अर्थ यह नहीं है कि देश की कमियों को उजागर करने वाले सभी लोगों को राष्ट्र-विरोधी करार दिया जाए। एक जिम्मेदार नागरिक वह है जो देश की प्रगति देखना चाहता है और इसलिए कठिन प्रश्न उठाता है। टूटी हुई सड़क की मरम्मत की मांग न करना राष्ट्र-विरोधी नहीं है। असुरक्षित स्कूल को सुरक्षित बनाने की मांग करना राष्ट्र का अपमान नहीं है। अस्पताल की सुरक्षा पर सवाल न उठाना व्यवस्था विरोधी नहीं है। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही की कोई भी आलोचना विदेशी साजिश का सबूत नहीं है।

दुर्भाग्य से, नागरिक मामलों से जुड़े गंभीर मुद्दे राजनीतिक खेमों में बँटते जा रहे हैं। सरकार की प्रशंसा को देशभक्ति कहा जाता है और किसी भी आलोचना को विपक्ष या नकारात्मक आवाज करार दिया जाता है। नकारात्मकता लोकतंत्र के लिए खतरा है क्योंकि इससे आलोचना और जवाबदेही की कमी पैदा होती है, जो सुशासन के लिए आवश्यक तत्व हैं। मीडिया की भी इसमें बड़ी भूमिका है। यह केवल सफलताओं का जश्न मनाने का मंच नहीं है, बल्कि इसे उन क्षेत्रों की भी पड़ताल करनी चाहिए जिनमें सरकारी कुप्रबंधन के कारण आम नागरिक पीड़ित हैं। हम सभी जानते हैं कि टेलीविजन चैनल राजनीतिक बहसों पर कितना समय देते हैं, वे सड़क सुरक्षा, जल निकासी व्यवस्था की विफलता, स्कूल के बुनियादी ढांचे, अस्पताल भवनों और नागरिक सेवाओं जैसी अन्य चीजों पर भी सार्थक समय दे सकते हैं। किसी शहर का असली स्वरूप विज्ञापनों या आधिकारिक बयानों में नहीं दिखता। बारिश होने पर यह उसकी सड़कों पर नजर आता है।

केवल भवन निर्माण ही विकास नहीं है। रखरखाव भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सड़क निर्माण ही पर्याप्त नहीं है; सड़क की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। पुल का निर्माण ही काफी नहीं है; नियमित निरीक्षण भी जरूरी है। नाली का निर्माण महत्वपूर्ण है, लेकिन उसकी सफाई और सुरक्षा भी आवश्यक है। स्कूलों का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है; स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा भी जरूरी है। हम दुर्घटनाओं को पूरी तरह से रोक नहीं सकते, लेकिन लापरवाही के कारण होने वाली कई त्रासदियों को टाला जा सकता है। इसके लिए जवाबदेही तय करना जरूरी है। सड़क की मरम्मत आखिरी बार कब हुई थी? गड्ढा कब बना था? मैनहोल खुला क्यों था? जल निकासी व्यवस्था में खराबी का क्या कारण था?

हर खेल में किसी की जीत और किसी की हार होती है, लेकिन हारने वाला खिलाड़ी उससे सीख लें-विजय

अहिवारा में गूंजी जोश की हुंकार, रुखड़नाथ बोल बम सेवा समिति ने कराया रस्साकशी महा मुकाबला, सांसद विजय बघेल हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / अहिवारा

रुखड़नाथ बोल बम सेवा समिति के तत्वावधान में लाल मैदान रेलवे क्रॉसिंग, अहिवारा में महिला एवं पुरुष टीमों के बीच भव्य रस्साकशी महा मुकाबले का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, जोश और खेल भावना के साथ अपना दमखम दिखाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल रहे, जबकि अध्यक्षता पूर्व संघ संचालक एवं छत्तीसगढ़ बिसरा राम यादव ने की। कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, चंचल बाफना, विजेन्द्र जिंदल, नगर पालिका परिषद आयुक्त प्रवीण कुमार गहलोत, रुखड़नाथ बोल बम सेवा समिति के अध्यक्ष रितेश अग्रवाल, पूर्व एल्डरमैन अभिषेक सिंह एवं क्रीड़ा भारती के उपाध्यक्ष रोहित द्विवेदी सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

आयोजन अध्यक्ष रितेश अग्रवाल एवं समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में प्रथम विजेता टीम को 21,001 रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त टीम को 11,001 रुपये का पुरस्कार दिया गया। वहीं महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 15,001 रुपये एवं द्वितीय पुरस्कार 7,501 रुपये रखा गया। महिला वर्ग में वार्ड क्रमांक 7 की पूजा यादव की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पुरुष वर्ग में विजय गिरी की टीम विजेता बनी।

खेलों के प्रति बढ़े रुचि, इसलिए किया नया आयोजन : समिति के संयोजक एवं अध्यक्ष विधानंद कुशवाहा ने कहा कि समिति द्वारा पूर्व में भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता रहा है। इस बार कुछ नया करने के उद्देश्य से रस्साकशी प्रतियोगिता आयोजित की गई, ताकि लोगों में खेलों के प्रति रुचि और उत्साह बढ़े। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मरखान दौड़ सहित अन्य पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में मिले जनसहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

खेल में जीत-हार से सीखना जरूरी : विजय बघेल : मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने महिला एवं पुरुष वर्ग की सभी टीमों को बधाई देते हुए कहा कि खेलों से उमंग और उत्साह बढ़ता है। हर खेल में किसी की जीत और किसी की हार होती है, लेकिन हारने वाला खिलाड़ी उससे सीख लेकर अगली प्रतियोगिता में और बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र में खेल गतिविधियों की बात करें तो अहिवारा में लगातार ऐसे आयोजन होते रहे हैं। उन्होंने रुखड़नाथ बोल बम सेवा समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

खेल भावना के साथ करें प्रतिभागिता : बिसरा राम यादव : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बिसरा राम यादव ने कहा कि खेल को सदैव खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। जीत के लिए पूरे उत्साह, अनुशासन और मेहनत के साथ प्रयास करना चाहिए। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल दोनों वर्गों की टीमों एवं आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राजा शिवाले, अरुण बंजारे, रूपेश राठौर, विदेशी साहू, इंद्रजीत राउत, बच्चा सिंह, विनय अग्रवाल, विकास धनकर, करण मिश्रा, विजेन्द्र जिंदल, मोनू जैन, अंशुल सिंह, अभिषेक गिरी, समारु पटेल, कीर्ति, सिवानी, इंदिरा, पुष्पा साहू, सुनीता धनकर सहित बड़ी संख्या में पार्षद, जनप्रतिनिधि, खेलप्रेमी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

खास खबर

कराटे प्रतियोगिता : दिल्ली में चमके राजनांदगांव के सितारे, वर्णिका ने जीता गोल्ड और सिल्वर मेडल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित नेशनल कराटे प्रतियोगिता में शहर के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अंचल का नाम पूरे देश में रोशन किया है। प्रतियोगिता में साहू समाज की होनहार बेटी वर्णिका साहू (सुपुत्री श्रीमती लक्ष्मी गंजीर एवं अधिवक्ता नरेश कुमार गंजीर) ने अपनी उत्कृष्ट तकनीक का प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण (गोल्ड) और एक रजत (सिल्वर) पदक पर कब्जा जमाया। वहीं, प्रकृति साव और विराज साहू सहित अन्य बच्चों ने कांस्य (ब्रॉन्ज) पदक जीतकर क्षेत्र को गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता में पदक जीतकर जैसे ही विजेता खिलाड़ी राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पहुंचे, वहां पहले से मौजूद नगर साहू संघ के पदाधिकारियों और परिजनों ने उनका भव्य स्वागत किया। खिलाड़ियों के कदम स्टेशन पर पड़ते ही भारत माता के जयकारों और बधाई संदेशों से परिसर गूंज उठा। पदाधिकारियों ने सभी मेडल विजेताओं को फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनकी इस उपलब्धि की सराहना की। इस उपलब्धि पर नगर साहू संघ के अध्यक्ष राजेश साहू ने कहा कि छोटे शहरों के बच्चे अपनी मेहनत के दम पर राष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहरा रहे हैं, जो पूरे समाज और शहर के लिए गर्व का विषय है। इस दौरान नगर उपाध्यक्ष अनिता साहू व अशोक साहू, संगठन सचिव लेखेन्द्र साहू, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत साहू, संयोजक हेमनाथ साहू व भागवत साहू, जिला साहू संघ की पूर्व उपाध्यक्ष नीरा साहू, युवा प्रकोष्ठ से आशीष साहू, नरेन्द्र कुमार साहू, विकास साहू और कराटे के उत्कृष्ट खिलाड़ी दुर्गेश साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों के साथ उनके माता-पिता को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ऑटो में दफकोड लगाने की प्रक्रिया शुरू, एक सप्ताह में होगा शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन

दुर्ग। ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों की पहचान और यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में दुर्ग पुलिस ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-06 में उप महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा ऑटो एवं ई-रिक्शा में दफकोड लगाने की प्रक्रिया का शुभारंभ किया गया। इस दौरान ऑटो रजिस्ट्रेशन पोर्टल भी लॉन्च किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दुर्ग जिला ऑटो को दफकोड के माध्यम से डिजिटल रूप से रजिस्टर करने वाला छत्तीसगढ़ का तीसरा जिला बनेगा। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रत्येक ऑटो एवं ई-रिक्शा को एक दफकोड उपलब्ध कराया जाएगा। दफकोड के माध्यम से वाहन और चालक से संबंधित आवश्यक जानकारी पुलिस के पास सुरक्षित रहेगी। पुलिस के अनुसार, किसी घटना, विवाद या आपात स्थिति में दफकोड के जरिए ऑटो और चालक की पहचान करने में पुलिस को त्वरित सहायता मिलेगी। इससे यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ ऑटो एवं ई-रिक्शा संचालन को भी अधिक व्यवस्थित किया जा सकेगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों से अनिवार्य रूप से अपना रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह पहल ऑटो चालकों के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। यातायात पुलिस द्वारा आगामी एक सप्ताह तक विशेष अभियान चलाकर जिले के सभी ऑटो एवं ई-रिक्शा का शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन कराने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में जनहित फाउंडेशन के ऋषभ सोनी सहित लॉयन्स क्लब के पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4 : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सैनिक भाइयों के लिए भेजे रक्षा सूत्र

सैनिकों तक पहुंचेगा छत्तीसगढ़ की बहनों का स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-सरगुजा

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिक भाइयों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से संचालित ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4 अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा की महिलाओं एवं स्काउट-गाइड द्वारा एकत्रित रक्षा सूत्र सैनिकों के लिए रवाना किए। अंबिकापुर के सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने स्वयं रक्षा सूत्र भेजकर सैनिकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि यह लगातार चौथा वर्ष है, जब छत्तीसगढ़ की बहनों की ओर से देश की सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए रक्षा सूत्र भेजे जा रहे हैं। यह अभियान प्रदेश की महिलाओं के सैनिक भाइयों के प्रति स्नेह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर जब पूरा देश अपने परिवार के साथ खुशियां मनाता है, तब हमारे सैनिक भाई अपने परिवार से दूर रहकर देश की सीमाओं की सुरक्षा में डटे रहते हैं। उनके त्याग और समर्पण को नमन करते हुए बहनों की ओर से भेजा गया यह रक्षा सूत्र प्रेम, सम्मान और आशीर्वाद का संदेश लेकर जवानों तक पहुंचेगा।

रक्षा सूत्र सैनिकों के लिए बहनों के स्नेह का संदेश

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि सैनिकों और देशवासियों के बीच भावनात्मक संबंध का प्रतीक है। इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की माताएं और बहनें देश के वीर जवानों को यह संदेश दे रही हैं कि पूरा प्रदेश उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं से दूर रहने वाले सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इस प्रकार के अभियान समाज में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करते हैं। छत्तीसगढ़ की महिलाओं द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए रक्षा सूत्र जब सैनिक भाइयों की कलाइयों पर बंधेंगे, तो उनमें प्रदेश की बहनों के स्नेह और आशीर्वाद की अनुभूति होगी।

चौथे वर्ष में पहुंचा सिपाही रक्षा सूत्र अभियान

अभियान के संयोजक एवं पूर्व सैनिक महासभा के अध्यक्ष श्री महेंद्र प्रताप सिंह राणा ने बताया कि ह्यसिपाही रक्षा सूत्रह्ल अभियान की शुरूआत बिलासपुर से हुई थी। वर्ष 2023 में लगभग 6 लाख 71 हजार, वर्ष 2024 में लगभग 9 लाख और वर्ष 2025 में 12 लाख 21 हजार रक्षा सूत्र सैनिकों तक भेजे गए। इस तरह पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ से लगभग 27 लाख 92 हजार रक्षा सूत्र सैनिकों के सम्मान में भेजे जा चुके हैं।

वर्ष 2026 में अभियान का चौथा चरण ह्यऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4ह्ल के रूप में संचालित किया जा रहा है। इस वर्ष लगभग 21 लाख रक्षा सूत्र एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के माध्यम से थल सेना, जल सेना और वायु सेना के जवानों तक भी छत्तीसगढ़ की बहनों का रक्षा सूत्र पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

अंबिकापुर से जशपुर होते हुए रांची रवाना होंगे रक्षा सूत्र

अंबिकापुर में आयोजित कार्यक्रम के बाद रक्षा सूत्रों से भरी वाहन रैली जशपुर होते हुए रांची की ओर रवाना होगी। इसके बाद विभिन्न माध्यमों से देश के अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात सैनिकों तक रक्षा सूत्र पहुंचाए जाएंगे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, पूर्व सांसद कमल भान सिंह, किसन सिंह, भारत सिंह सिसौदिया, विनोद हर्ष, श्रीमती अरुणा सिंह सहित जनप्रतिनिधि, पूर्व सैनिक महासभा के पदाधिकारी, स्काउट-गाइड की सदस्याएं एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

अटल जी के विराट व्यक्तित्व से सदैव प्रेरणा लेता रहेगा देश : मंत्री यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, प्रखर राष्ट्रवादी एवं युगद्रष्टा राजनेता, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर दुर्ग स्थित अटल परिसर (जेल तिराहा) में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग भाजपा कार्यकताओं के साथ अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किये।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से भारत को नई दिशा दी और देश की राजनीति में शुचिता, संवेदनशीलता एवं सिद्धांतों की मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि अटल जी की प्रसिद्ध पंक्तियां हार नहीं मानूंगा, रार नई ठानूंगा, काल के कपाल पर लिखता-मिटाता हूं, गीत नया गाता हूं आज भी देशवासियों में संघर्ष, संकल्प और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा का संचार करती हैं। उनका विराट व्यक्तित्व, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी अटूट आस्था सदैव देशवासियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि अटल जी ने भारत की राजनीति को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और जनसेवा का साधन माना। उनके विचार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के प्रति समर्पण और कर्तव्यबोध की प्रेरणा देते रहेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे और सभी ने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिये।

सांसद विजय बघेल ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को किया नमन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने सेक्टर-5, भिलाई स्थित अपने निवास पर अटल जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने भी अटल जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक महामानव, कुशल राजनेता, प्रखर वक्ता और संवेदनशील कवि थे। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनकल्याण के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ की जनता से किया वादा निभाते हुए

अलग छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट और लोकप्रिय था कि उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी प्रशंसा करते थे। उन्होंने भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाकर पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत किसी के सामने झुकने वाला राष्ट्र नहीं है।

सांसद बघेल ने कहा कि अटल जी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि था। सुशासन, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण आज भी देशवासियों को प्रेरणा देता है। उनका जीवन और विचार आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बने रहेंगे तथा राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं को देश सदैव श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करता रहेगा। स अवसर पर सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, शशि बंछोर , उपकार चंद्राकर, अरविंद खुराना, भागचंद जैन, दशरथ भोई, मनोज गुप्ता सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरगुजा को बड़ी सौगात मुख्यमंत्री साय के सुशासन के संकल्प के अनुरूप, अब संभाग की आंगनबाड़ी कार्यकताओं को प्रशिक्षण के लिए नहीं जाना पड़ेगा रायपुर-बिलासपुर

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से 'नवीन क्षेत्रीय महिला प्रशिक्षण संस्थान' को मिली मंजूरी

नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा संभाग की महिलाओं और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को एक ऐतिहासिक सौगात दी है। राज्य शासन द्वारा सरगुजा में 'नवीन क्षेत्रीय महिला प्रशिक्षण संस्थान' की स्थापना और इसके सुचारू संचालन के लिए 12 नए पदों के सेटअप को आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

लंबे समय से सरगुजा संभाग की आंगनबाड़ी कार्यकताओं और विभागीय अमले को अपने विभागीय प्रशिक्षण के लिए रायपुर या बिलासपुर जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। इससे न केवल उनके समय और संसाधनों की अधिक खपत होती थी, बल्कि उन्हें व्यावहारिक असुविधाओं का भी सामना करना पड़ता था। क्षेत्र की इस बड़ी समस्या को गंभीरता से लेते हुए, मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से अब इस नवीन प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

मुख्यमंत्री साय के 'सुशासन' का मिल रहा लाभ

इस बड़ी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, "मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की 'सुशासन' की परिकल्पना के अनुरूप हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें हर संभव सुविधा प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में सरगुजा में इस प्रशिक्षण संस्थान की स्वीकृति इसी बात का प्रमाण है कि विकास अब दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच रहा है। अब हमारी आंगनबाड़ी बहनों को प्रशिक्षण के लिए अपने घर और क्षेत्र से दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता और योजनाओं के क्रियान्वयन में और अधिक निखार आएगा।"

संस्थान के लिए 12 पदों का सेटअप स्वीकृत

संस्थान के व्यवस्थित संचालन के लिए वित्त विभाग द्वारा कुल 12 पदों के सृजन की सहमति दी गई है। इनमें उप संचालक, सहायक संचालक, सहायक लेखाधिकारी, डाटा एंट्री ऑपरेटर और अन्य आवश्यक सहायक पद शामिल हैं। पूर्ण सेटअप के साथ इस कार्यालय के शुरू होने से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन उच्च स्तरीय और सुचारू रूप से हो सकेगा। यह महत्वपूर्ण निर्णय सरगुजा संभाग में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

महिला व बाल विकास विभाग में 50 पर्यवेक्षकों की सीधी भर्ती को मिली मंजूरी

महिला सशक्तिकरण और नौनिहालों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध छत्तीसगढ़ सरकार ने एक और बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सुशासन सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से, विभाग के अंतर्गत पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजर) के 50 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती को आधिकारिक सहमति प्रदान कर दी गई है।

मैदानी स्तर पर विभाग की योजनाओं—विशेषकर आंगनबाड़ी केंद्रों के सुचारू संचालन, पोषण अभियानों की निगरानी, महत्वपूर्ण सामाजिक पहलों के क्रियान्वयन—में पर्यवेक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। लंबे समय से इन पदों के रिक्त होने के कारण मैदानी स्तर पर कार्य का दबाव था।

इन 50 नए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से विभागीय ढांचे को ऐतिहासिक मजबूती मिलेगी और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे हितग्राहियों तक और अधिक प्रभावी ढंग से पहुँच सकेगा।

'सुशासन' के संकल्प को मिल रही सिद्धि : इस महत्वपूर्ण स्वीकृति पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, "माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन और दूरदर्शी नेतृत्व के चलते आज विभाग को यह अहम स्वीकृति मिली है। पर्यवेक्षकों की कमी से जमीनी स्तर पर मॉनिटरिंग में जो चुनौतियां आ रही थीं, वे अब दूर होंगी। हमारी सरकार माताओं और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। इन नई नियुक्तियों से विभाग की कार्यक्षमता में व्यापक सुधार आएगा और हमारी आंगनबाड़ी व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी।"

प्रस्ताव को मिली वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति: ज्ञात हो कि संचालनालय, महिला एवं बाल विकास द्वारा इन पदों की पूर्ति के लिए शासन से अनुमति मांगी गई थी। विभागीय मंत्री के निर्देश पर इस प्रक्रिया में तेजी लाई गई और 13 अगस्त 2026 को वित्त विभाग द्वारा 50 पर्यवेक्षकों की भर्ती के लिए विधिवत सहमति जारी कर दी गई है। इसके पश्चात महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भी आदेश जारी कर भर्ती प्रक्रिया का रास्ता पूरी तरह साफ कर दिया गया है।

इस बहुप्रतीक्षित फैसले से न केवल विभाग के कार्यों में गति आएगी, बल्कि प्रदेश की योग्य युवतियों और महिलाओं को शासकीय सेवा में आकर समाज के लिए कार्य करने का एक बड़ा अवसर भी प्राप्त होगा।

अटल जी की पुण्यतिथि पर भाजपा ने अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत रत्न एवं भारतीय राजनीति के अजातशत्रु, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अटल जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में महापौर श्रीमती अलका बाघमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित भाजपा नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्रसेवा को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे युगपुरुष थे, जिन्होंने अपने विचारों, सिद्धांतों और राष्ट्रसेवा के माध्यम से राजनीति में एक नई मयार्दा स्थापित की। वे राजनीति के अजातशत्रु थे और उनका सम्मान राजनीतिक विरोधी भी करते थे। उनका जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन की प्रेरणा देता है। अटल जी के विचार और आदर्श सदैव सभी का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

उन्होंने भाजपा कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे अटल जी के बताए मार्ग पर चलने तथा राष्ट्रहित में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को मां भारती के वैभव को परम शिखर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

श्रद्धांजलि सभा में जिला उपाध्यक्ष राजीव पांडेय, जिला मंत्री गायत्री वर्मा, शैलेंद्र शैंडे, कार्यालय मंत्री सैयद आसिफ अली, सोशल मीडिया संयोजक रजनीश श्रीवास्तव, देवनारायण चंद्राकर, वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी, आसपुरन चौधरी, विक्रम ठाकुर, प्रीति राजपूत, विकास कुलश्रेष्ठ, डॉ. भारती साहू, दिनेश्वरी तुरकर, संजू शर्मा, रामकुमार ठाकुर, पार्षद रंजीता पाटील सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इमरान हाशमी ने ली आवारापन से 10 गुना ज्यादा फीस! दिशा और शबाना आजमी की फीस भी आई सामने

इमरान हाशमी की कल्ट क्लाकिस फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। फिल्म में दिशा पटानी और शबाना आजनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगी। जानिए इन एक्टर्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज की है। फिल्म 'आवारापन 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले अब इसकी स्टारकास्ट की कथित फीस को लेकर भी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी को 'आवारापन 2' में अपने आइकॉनिक किरदार शिव पंडित को दोबारा निभाने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये फीस दी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फीस उन्हें 2007 में आई पहली फिल्म 'आवारापन' के लिए मिली रकम से करीब 10 गुना ज्यादा है।

दिशा पटानी की फीस कितनी

फिल्म में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'आवारापन 2' के लिए करीब 5 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी 'आवारापन 2' का हिस्सा हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें करीब 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच फीस दी गई है।

फिलहाल ये सभी फीस के आंकड़े रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और मेकर्स या कलाकारों की तरफ से इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कब रिलीज होगी 'आवारापन 2'

'आवारापन 2' में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ दिशा पटानी, शबाना आजमी, सुविंदर विक्की, विजयंथ कोहली, अनिरुद्ध रावल और अतुल कुमार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का म्यूजिक मिथून, जीत गांगुली, अमाल मलिक और अखिल सचदेवा ने दिया है, जबकि डायरेक्शन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं।

रुक्मिणी वसंत ने निन पाउली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग की शुरू

रुक्मिणी वसंत का करियर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा! एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट्स के साथ अब एक्ट्रेस ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, यानी उनकी बढ़ती-चढ़ती फिल्मोग्राफी में एक और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट की एंट्री हो गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए शूटिंग शुरू होने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी। इस अनटाइटल्ड मलयालम फिल्म में रुक्मिणी के साथ मलयालम स्टार निन पाउली नजर आएंगे। यानी साउथ के दो टैलेंटेड स्टार्स का ये कॉम्बिनेशन पहले से ही काफी इंटरेस्टिंग लग रहा है। सेट से एक झलक शेयर करते हुए रुक्मिणी ने लिखा, 'और बस, ये सफर शुरू हो गया।

किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुजार हूँ '। अब फिल्म की टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है। इस प्रोजेक्ट को चार्ली और नयट्टू जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का सपोर्ट मिला है। वहीं जय जय जय जय जय हे के राइटर्स में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन नामों का जुड़ना ह्क्क1 को मलयालम सिनेमा की मोस्ट इंटरेस्टिंग अपकमिंग फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कंतारा जैसी फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से रुक्मिणी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक प्रॉमिसिंग कन्नड़ टैलेंट के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली यंग एक्ट्रेसेस में अपनी जगह बना चुकी हैं। रुक्मिणी अब टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं। इसके अलावा उनके खाते में मच-अवेटेड बिग-टिकट फिल्म ड्रैगन भी है। शानदार परफॉर्मेंस, अलग-अलग तरह के किरदार और बड़े पैन-इंडियन प्रोजेक्ट्स के साथ रुक्मिणी का करियर फुल स्पीड में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनका ये नया मलयालम प्रोजेक्ट उनकी तेजी से शानदार होती करियर जर्नी में एक और एक्साइटिंग चैप्टर जोड़ता नजर आ रहा है।

पति हिमांशु मल्होत्रा संग तलाक की खबरों पर फूटा अमृता खानविलकर का गुस्सा

अभिनेत्री अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा काफी वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बी-टाउन में काफी वक्त से ऐसी अटकलें लग रही हैं कि इनके रिश्ते में दरार आ गई है और तलाक हो रहा है। इन्हें अमृता ने निराधार बताया है। साथ निजी जिंदगी को लेकर ऐसी अफवाहें प्रसारित करने वालों को भी चेताया है।

लीगल टीम ने जारी की चेतावनी

अभिनेत्री अमृता के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें उनकी लीगल टीम की तरफ से इस तरह की खबरों को एकदम निराधार बताया गया है। साथ ही अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी एक्शन लेने की चेतावनी भी दी है।

अमृता की कानूनी टीम ने नोट साझा करते हुए लिखा है, 'आधिकारिक कानूनी बयान - 10 अगस्त 2026 से लागू। हमारे ध्यान में आया है कि कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म अमृता खानविलकर और उनके निजी जीवन के बारे में ऐसा कंटेंट फैला रहे हैं, जो बेबुनियाद है। यह प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है और उनकी प्राइवेसी का उल्लंघन करता है। आगे लिखा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है, लेकिन अमृता खानविलकर के बारे में मानहानि वाले बयान, अफवाहें, बिना पुष्टि वाले आरोप या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने या शेयर करने के लिए इस स्वतंत्रता का कोई भी गलत इस्तेमाल गंभीरता से लिया जाएगा। जहां भी उपलब्ध सबूतों से पुष्टि होती है, वहां ऐसे कंटेंट को बनाने, फैलाने या शेयर करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों, संस्थाओं या संगठनों के खिलाफ लागू कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। ऐसे सभी मामलों पर नजर रखी जा रही है और उचित कानूनी कार्रवाई के लिए उनका रिकॉर्ड रखा जा रहा है।

मराठी फिल्म जगत की चर्चित अभिनेत्री अमृता खानविलकर की शादी हिमांशु मल्होत्रा के साथ साल 2015 में हुई थी। दोनों की मुलाकात साल 2004 में हुई थी। लंबे वक्त तक दोनों रिलेशनशिल में रहे। फिर साल 2015 में शादी का फैसला लिया।

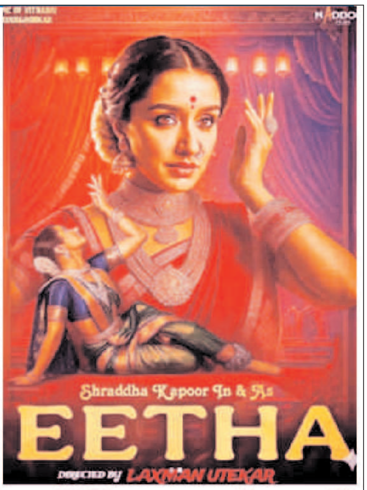

'टॉक्सिक' से नहीं होगी 'ईठा' की टक्कर आयुष्मान की 'उड़ता तीर' की भी रिलीज डेट अनाउंस

बॉलीवुड की दो मच अवेटेड फिल्मों की रिलीज डेट मेकर्स ने अनाउंस की। जहां एक और आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट तय की। वहीं दूसरी तरफ श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा ली। अब ये दोनों फिल्में कब रिलीज होगीं

कब रिलीज होगी फिल्म 'ईठा'

श्रद्धा कपूर की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'ईठा' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म लावणी साम्रज्ञी विठाबाई नारायणगावकर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने पांच दशक तक लावणी लोककला को अपना जीवन समर्पित किया। 'टॉक्सिक' से टाला क्लैश पहले यह फिल्म इसी महीने 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, जहां इसकी टक्कर 26 अगस्त को रिलीज होने जा रही मल्टीस्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' से होती। अब मेकर्स ने इसे 4 दिसंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। फिल्म में श्रद्धा के अलावा रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सिनेमाघर में प्रभास की फिल्म में होगा सामना

भले ही फिल्म 'ईठा' ने 'टॉक्सिक' से टकराव बचा लिया है पर 4 दिसंबर को इसका टकराव प्रभास की फिल्म 'फौजी' से होगा। फिलहाल 'फौजी' की रिलीज डेट 3 दिसंबर 2026 है। 'फौजी' का निर्देशन हनु राघवपुडी ने किया है। फिल्म की कास्ट में प्रभास के अलावा मिथुन चक्रवर्ती, जया प्रदा और अनुपम खेर भी हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म 'उड़ता तीर'

फिल्म 'उड़ता तीर' से आयुष्मान खुराना और सारा अली खान एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म है जो 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक ने किया है। वहीं फिल्म में निर्माताओं की लंबी लिस्ट है। फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन मिलकर कर रहे हैं।

व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा मामले में तब्बू के बाद जान्हवी कपूर को राहत

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तमाम सहूलियतें दी हैं, तो इसके नुकसान भी हैं। एआई के जरिए किसी की तस्वीरों व वीडियो आदि से छेड़छाड़ कर गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी की प्रतिष्ठा दांव पर लग सकती है। इसके नुकसान को लेकर फिल्मी सितारे काफी सतर्क हैं और उन्होंने अदालत का रुख किया है। बीते दिनों तब्बू ने कोर्ट का दरवाजा खटखाया था। कोर्ट ने उन्हें राहत भी दी। इसके बाद जान्हवी कपूर ने भी अपने व्यकित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की।

जान्हवी कपूर ने क्या मांग की?

जान्हवी कपूर ने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था।अभिनेत्री ने 5,000 से अधिक वेबपेज, पोस्ट और एआई कंटेंट हटाने की मांग की थी। साथ ही फैन पेज पर रोक लगाने की भी मांग की। बीते दिन मंगलवार को कोर्ट ने जान्हवी से जुड़े अश्लील और पोर्नोग्राफिक ऑनलाइन कंटेंट को हटाने का अंतरिम आदेश दिया।

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने 5,000 से अधिक वेबपेज, सोशल मीडिया पोस्ट, एआई-जनरेटेड पोर्नोग्राफिक कंटेंट, फर्जी अकाउंट, नकली बुकिंग एजेंसियों और चैटबॉट्स को हटाने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि याचिका में मांगी गई राहत और दलीलें व्यापक हैं। अदालत ने जान्हवी कपूर के वकील को उन वेबपेजों की सूची देने को कहा गया, जिन पर स्पष्ट रूप से अश्लील कंटेंट है अथवा उनके व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री की जा रही है। हालांकि, अदालत ने फैन पेज हटाने से इनकार कर दिया है। ऐसा करते हुए कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला दिया।

तब्बू ने भी खटखटाया था दरवाजा

इससे पहले व्यक्तिव अधिकारों को लेकर तब्बू ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले में अदालत ने अभिनेत्री को राहत दी। कोर्ट ने तब्बू के नाम, तस्वीर, आवाज या व्यक्तित्व की अन्य विशेषताओं का बिना अनुमति व्यावसायिक या अनुचित इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। इसी के साथ अदालत ने गूगल, एक्स (ट्विटर) और रेडिट समेत कई डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को आदेश दिया गया है कि वे तब्बू से जुड़े एआई जेनेरेटिड, डीपफेक, अपमानजनक व आपत्तिजनक कंटेंट को तुरंत हटाएं।

ये सितारे भी पहुंचे अदालत की शरण में

इससे पहले बीते महीने ही अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपनी एआई से बनीं डीपफेक तस्वीरों और मॉर्फ्ड कंटेंट के खिलाफ अदालत का रुख किया। उन्होंने याचिका दायर कर इस किस्म के कंटेंट पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। इस मामले में उन्हें भी अदालत से राहत मिली। पब्लिसिटी और व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की मांग करते हुए अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय भी अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं। इनके अलावा ऋतिक रोशन, करण जौहर, अक्षय कुमार, कुमार सानू और अक्किनेनी नागार्जुन समेत तमाम सितारे अपने व्यक्तित्व अधिकार की सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत की शरण में पहुंच चुके हैं।

दिग्विजय स्टेडियम को सर्वसुविधायुक्त खेल परिसर के रूप में विकसित करने की जरूरत : कलेक्टर यादव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में दिग्विजय स्टेडियम प्रबंधकारिणी समिति की बैठक संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर एवं अध्यक्ष दिग्विजय स्टेडियम समिति राजनांदगांव जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में आज स्टेडियम कॉन्फ्रेंस हॉल में स्टेडियम प्रबंधकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दिग्विजय स्टेडियम के बेहतर संचालन, खेल सुविधाओं के विस्तार, अधोसंरचना विकास, आय के नए स्रोत विकसित करने तथा खिलाडि ?ों के लिए सुविधाओं को और बेहतर बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि दिग्विजय स्टेडियम को केवल खेल आयोजन स्थल के रूप में नहीं, बल्कि एक सर्वसुविधायुक्त खेल परिसर के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए यहां संचालित खेल गतिविधियों को व्यवस्थित करने के साथ ही नए खेलों को जोड ?, खिलाडि ?ों के प्रशिक्षण के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने तथा स्टेडियम की आय के स्रोत बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि राजनांदगांव में विभिन्न खेलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक उपलब्ध हैं। उनके अनुभव का लाभ लेकर स्टेडियम में अलग-अलग खेलों की गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी प्रशिक्षण शिविरों से जोड़कर उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने विशेष रूप से वेटलिफ्टिंग क्षेत्र को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव के खिलाडि ?ों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वेटलिफ्टिंग क्षेत्र को आधुनिक एवं आकर्षक स्वरूप देकर खिलाडि ?ों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसके लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराने तथा कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्टेडियम की आय बढ़ाने के लिए विज्ञापन एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों की संभावनाओं का परीक्षण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि स्टेडियम के प्रमुख स्थानों एवं हाईवे से जुड़े हिस्सों में विज्ञापन संरचनाओं के माध्यम से आय प्राप्त करने की संभावना का परीक्षण किया जाए। साथ ही दुकानों के किराए की नियमित समीक्षा एवं वृद्धि की व्यवस्था तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि स्टेडियम समिति की आय में निरंतर वृद्धि हो सके। दुकानों की स्थिति एवं सुविधाओं को बेहतर बनाकर किराए में वृद्धि करने तथा भविष्य में किराए में नियमित वार्षिक वृद्धि की व्यवस्था पर भी विचार किया गया।

कलेक्टर ने स्टेडियम परिसर के शौचालयों को अत्याधुनिक एवं बेहतर सुविधाओं के अनुरूप निर्माण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि केवल निर्माण कर देने से व्यवस्था पूरी नहीं होती, बल्कि नियमित साफ-सफाई एवं रखरखाव भी जरूरी है। शौचालयों के निर्माण के साथ नियमित साफ-सफाई एवं रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि समिति की बैठकों में आय और व्यय का पूरा विवरण नियमित रूप से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इससे कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी और समिति के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत होगा। कलेक्टर ने कहा कि स्टेडियम की संपत्ति एवं स्थानों का उपयोग निर्धारित नियमों एवं वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप ही किया जाना चाहिए। संबंधित संस्थाओं के साथ आवश्यक दस्तावेजों की समीक्षा कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। पिछली बैठक में स्वीकृत निर्माण कार्यों पर हुए व्यय का अनुमोदन भी किया गया। स्टेडियम परिसर में स्थित 500 केवी जनरेटर की मरम्मत कराने का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया। मैदान के चारों टावरों की लाइटों को बदलने का निर्णय लिया गया तथा हटाई जाने वाली लाइटों का उपयोग हॉकी स्टेडियम में करने का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया। स्टेडियम की प्रमुख गैलरी में शेड एवं सोलर पैनल लगाने तथा ड्रेसिंग रूम निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। स्टेडियम परिसर में खिलाडि ?ों एवं आगंतुकों के लिए बेहतर खान-पान की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर विधायक खुज्जी भोलाराम साहू, विधायक डोंगरगढ़ श्रीमती हर्षिता बघेल, महापौर एवं उपाध्यक्ष दिग्विजय स्टेडियम समिति मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल, सचिव रमेश पटेल, कुतुबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, सांसद प्रतिनिधि हरीश शर्मा, आयुक्त नगर पालिक निगम जीआर मरकाम, एसडीएम राजनांदगांव गौतम पाटिल एवं सहसचिव योगेश बागड़ी उपस्थित थे।

खास खबर

पंडित शिव कुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय और अनुसंधान केन्द्र सुरगी में धूमधाम से साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंडित शिव कुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र सुरगी में ध्वजारोहण किया और हर्षोल्लास, उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स द्वारा पायलटिंग एवं अनुशासित मार्च-पास्ट किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विनम्रता जैन ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों एवं क्रांतिकारियों के योगदान को स्मरण किया एवं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि सेनानियों एवं क्रांतिकारियों के त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति के परिणामस्वरूप भारत को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त हुई। कार्यक्रम को प्राध्यापक डॉ. नितीन तुर्रे ने भी संबोधित किया। इस दौरान पर्यावरण दिवस, पृथ्वी दिवस सहित अन्य अवसरों पर आयोजित प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा देश भक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश देते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन उपेन्द्र रामटेके ने किया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक डॉ. (लेफ्टिनेंट) डीकेश्वर निषाद ने किया। समारोह में महाविद्यालय के डॉ. अभय बिसेन, डॉ. द्विवेदी प्रसाद, डॉ. महेन्द्र देशमुख, डॉ. पूजा साहू, डॉ. छविराज बघेल, डॉ. नेहा, डॉ. नंदिनी वर्मा सहित महाविद्यालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, गणमानय नागरिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ग्रामसभा के सहयोग के लिए 24 तक आवेदन

राजनांदगांव। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजना के विकास में ग्रामसभा के सहयोग के लिए तकनीकी सहयोग, एससीओ, स्थानीय संस्था का चयन हेतु आवेदन की तिथि में वृद्धि की गई है। इच्छुक एवं पात्रता रखने वाले तकनीकी सहयोग, एससीओ, स्थानीय संस्था निर्धारित तिथि 24 अगस्त 2026 तक कार्यालय कलेक्टर आदिवासी विकास विभाग राजनांदगांव जिला राजनांदगांव छत्तीसगढ़ पिन 491441 में रजिस्टर्ड डाक से आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

रानीसागर तालाब में 20 को मॉक ड्रिल का आयोजन

राजनांदगांव। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह मंत्रालय नई दिल्ली, छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राजनांदगांव के संयुक्त तत्वावधान में 20 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे राजनांदगांव शहर के रानीसागर तालाब लाल बाग वाईडनर स्कूल के आगे राजनांदगांव में बाढ़ आपदा पर मॉक ड्रील का आयोजन किया गया है। आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने तथा नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से मॉर्क ड्रील आयोजित की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अभ्यास के दौरान शांति बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की घबराहट से बचने, अफवाहों से बचने एवं दूसरों को सही जानकारी प्रदान करने, मॉक ड्रील में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई है।

स्वामित्व योजना और एग्रीस्टेक पंजीयन में लाएं तेजी- कलेक्टर तुलिका प्रजापति

एग्रीस्टेक पंजीयन में कोई भी किसान न छूटे, डोर-टू-डोर अभियान और शिविर लगाने दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज जिला कार्यालय के सभा कक्ष में राजस्व एवं कृषि विभाग के मैदानी अमले की समीक्षा बैठक ली। बैठक में टवारी, राजस्व निरीक्षक, आरएईओ सहित अन्य मैदानी कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से स्वामित्व योजना अंतर्गत निर्मित एवं वितरित अधिकार अभिलेख तथा एग्रीस्टेक पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने दोनों कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें।

बैठक में राजस्व एवं कृषि विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति के साथ-साथ दोनों विभागों में लंबित प्रकरणों की भी विस्तृत समीक्षा की। स्वामित्व योजना की समीक्षा के दौरान खराब प्रगति वाले पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। उन्होंने कहा कि मैदानी अमला अपने-अपने क्षेत्र में कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए प्रगति सुनिश्चित करें तथा लंबित कार्यो को प्राथमिकता के साथ पूरा करें। उन्होंने स्वामित्व योजना के कार्यों में तेजी लाने के लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए।

एग्रीस्टेक पंजीयन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि अधिक से अधिक किसानों को पंजीयन के लिए जागरूक किया जाए। इसके लिए डोर-टू-डोर संपर्क, मुनादी तथा विशेष शिविरों का आयोजन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मैदानी स्तर पर व्यापक अभियान चलाकर किसानों को एग्रीस्टेक पंजीयन के महत्व की जानकारी दें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी

किसान पंजीयन से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक पंजीयन होने से किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी तथा योजनाओं का लाभ लेने के दौरान अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि स्वामित्व योजना एवं एग्रीस्टेक पंजीयन दोनों महत्वपूर्ण कार्य हैं। इन कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने के लिए अधिकारी एवं कर्मचारी बेहतर कार्ययोजना बनाकर कार्य करें और उसकी नियमित समीक्षा करें। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कार्यों को गंभीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करें। कलेक्टर ने कहा कि निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य, एसडीएम मानपुर अमित नाथ योगी, डिप्टी कलेक्टर डीआर ध्रुव सहित संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।

अयोध्या दर्शन कर लौटे 70 श्रद्धालुओं का विधायक कार्यालय में हुआ आत्मीय स्वागत

कवर्धा। अयोध्या धाम में विराजित प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर कबीरधाम जिले लौटे 70 श्रद्धालुओं का विधायक कार्यालय कवर्धा में आत्मीयता और उत्साह के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के निर्देश पर नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, प्रदीप कैवर्थ, नरेन्द्र मानिकपुरी और हरितिमा टीम के सदस्यों ने आयोजित स्वागत कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। आत्मीय स्वागत से श्रद्धालुओं की अयोध्या यात्रा और भी स्मरणीय बन गई।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के निर्देश पर अयोध्या धाम से दर्शन कर लौटे श्रद्धालुओं के सम्मान के लिए विधायक कार्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करना प्रत्येक श्रद्धालु के लिए आस्था और भावनाओं से जुड़ा अद्भुत अनुभव है। जिले के श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के दर्शन का अवसर मिलना अत्यंत सुखद एवं गौरव का विषय है। श्रद्धालुओं के चेहरे पर दर्शन के बाद दिखाई दे रही प्रसन्नता और संतोष इस यात्रा की सफलता को दशार्ता है। स्वागत कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित लोगों ने अयोध्या यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं से उनके अनुभव जाने। श्रद्धालुओं ने अयोध्या धाम पहुंचने, प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करने तथा वहां की धार्मिक एवं आध्यात्मिक अनुभूतियों को साझा किया। भगवान श्रीरामलला के दर्शन कर लौटी माताओं और बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने भावुक होकर कहा कि प्रभु श्रीरामलला के दर्शन हमारे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव है। वर्षों से मन में प्रभु के दर्शन की इच्छा थी, जो इस यात्रा के माध्यम से पूरी हुई। अयोध्या धाम पहुंचकर श्रीरामलला के दर्शन करने से मन को अद्भुत शांति और संतोष मिला।

एग्रीस्टेक परियोजना के तहत डिजिटल क्रॉप सर्वे का अपर कलेक्टर ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निदेर्शानुसार एग्रीस्टेक परियोजना अंतर्गत जिले में 17 अगस्त से प्रारंभ हुए डिजिटल क्रॉप सर्वे (डिजिटल गिरदावरी) कार्य का अपर कलेक्टर प्रकाश कुमार भारद्वाज एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा श्रीमती दिव्या पोटाई ने तहसील बेमेतरा के ग्राम मोहभट्ठा, हल्का नंबर 21 में मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सर्वेयरों द्वारा किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं गिरदावरी कार्य का अवलोकन किया तथा सर्वे की प्रक्रिया की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने डिजिटल क्रॉप सर्वे से किसानों को होने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने सर्वेयरों को निर्देशित किया कि प्रत्येक खेत में बोई गई वास्तविक फसल की स्थिति के आधार पर सटीक एवं त्रुटिरहित सर्वे किया जाए, ताकि डिजिटल गिरदावरी के आंकड़ों में किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न्यूनतम रहे।

किसानों से सर्वे कार्य में सहयोग की अपील : जिला प्रशासन ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में कार्यरत सर्वेयरों से संपर्क कर अपनी धारित भूमि एवं उसमें बोई गई फसल से संबंधित सही जानकारी उपलब्ध कराने में आवश्यक सहयोग करें। किसानों से यह भी अपील की गई है कि सर्वे के दौरान यथासंभव स्वयं उपस्थित रहकर अपने खेत एवं फसल की वास्तविक जानकारी सर्वेयर को उपलब्ध कराएं। किसानों के सहयोग से डिजिटल क्रॉप सर्वे को अधिक सटीक, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाया जा सकेगा।

30 सितंबर तक चलेगा डिजिटल क्रॉप सर्वे : जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य 17 अगस्त 2026 से 30 सितंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। इसके बाद 02 अक्टूबर 2026 को ग्राम सभा में डिजिटल क्रॉप सर्वे से प्राप्त डिजिटल गिरदावरी के आंकड़ों का वाचन एवं अनुमोदन किया जाएगा। इन्हीं डिजिटल गिरदावरी के आंकड़ों के आधार पर आगामी खरीफ मौसम में धान खरीदी की प्रक्रिया में उपयोग किया जाएगा।

किसान स्वयं भी कर सकते हैं डिजिटल क्रॉप सर्वे : कृषक एग्रीस्टेक पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध डिजिटल क्रॉप सर्वे एप्प का उपयोग कर अपनी भूमि का डिजिटल क्रॉप सर्वे स्वयं भी कर सकते हैं। इसके लिए किसान अपने मोबाइल फोन में गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डिजिटल क्रॉप सर्वे एप्प डाउनलोड कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करें और अपने खेत में बोई गई फसल की सही जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे जिले में डिजिटल गिरदावरी का कार्य सटीक एवं पारदर्शी तरीके से संपादित किया जा सके।

मोहला में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने किया वृद्धाश्रम का शुभारंभ

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान को बताया सामाजिक जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित एवं जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का शुभारंभ एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह शनिवार को मोहला में गरिमापूर्ण संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा रहीं। कार्यक्रम का आयोजन लोकशक्ति परिसर, हनुमान मंदिर के पास, भोजटोला रोड, वार्ड क्रमांक-01, तेलीटोला, मोहला में किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान कर उनके अनुभव, मार्गदर्शन एवं समाज के प्रति योगदान के लिए सम्मान व्यक्त किया गया।

मुख्य अतिथि लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने जरूरतमंद वृद्धजनों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सहयोगपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों ने वृद्धाश्रम के शुभारंभ को क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम के माध्यम से जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को आश्रय, देखभाल और सम्मानजनक जीवन का वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, जन कल्याण सामाजिक संस्थान के पदाधिकारी, वरिष्ठ नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

योजना का लाभ | पात्र छात्राओं को प्रतिवर्ष 30 हजार रुपये तक की छात्रवृत्ति, 31 अगस्त तक कर सकेंगी आवेदन

अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप योजना से छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए मिलेगा आर्थिक संबल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप योजना 2026-27 की शुरूआत की गई है। योजना के तहत पात्र छात्राओं को स्नातक डिग्री अथवा डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पूरी अवधि के लिए प्रतिवर्ष 30 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति राशि का उपयोग ट्यूशन फीस सहित शिक्षा से संबंधित अन्य आवश्यक खर्चों के लिए किया जा सकेगा।

पिछले वर्ष बेमेतरा के 1,050 विद्यार्थियों को मिला योजना का लाभ : अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप योजना का बेमेतरा जिले में भी विद्यार्थियों को व्यापक लाभ मिला है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिले के 18 शैक्षणिक संस्थानों के कुल 1,050 विद्यार्थियों ने योजना का लाभ प्राप्त किया। इनमें शासकीय महाविद्यालयों के साथ-साथ डाइट, कृषि एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के विद्यार्थी भी शामिल रहे।

पिछले वर्ष शासकीय पं. जे.एल.एन. कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा के 395 विद्यार्थियों को सर्वाधिक लाभ मिला। वहीं शासकीय नवीन महाविद्यालय बेरला के 163, शासकीय ठाकुर महाराज सिंह कॉलेज थान खम्हरिया के 157 तथा लक्ष्मण प्रसाद बैद शासकीय कन्या महाविद्यालय बेमेतरा के 90 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्त हुई। जिले के अन्य शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी भी योजना से लाभान्वित हुए।

कौन छात्राएं कर सकती हैं आवेदन : योजना के लिए कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों किसी पात्र राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के सरकारी स्कूल या कॉलेज से नियमित छात्रा के रूप में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में किसी मान्यता प्राप्त स्नातक डिग्री अथवा डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जिसकी अवधि 2 से 5 वर्ष है, के प्रथम वर्ष में नियमित छात्रा के रूप में प्रवेश लिया होना चाहिए। यह प्रवेश भारत के किसी भी राज्य अथवा केंद्रशासित प्रदेश के सरकारी संस्थान या विश्वसनीय एवं प्रमाणित निजी कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय में हो सकता है।

छत्तीसगढ़ सहित इन राज्यों की छात्राएं पात्र: योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली (एनसीटी), झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की पात्र छात्राएं आवेदन कर सकती हैं। स्कॉलरशिप के लिए आवेदन प्रक्रिया दो चरणों में निर्धारित की गई है। पहले चरण में 10 अगस्त 2026 से 31 अगस्त 2026 तक आवेदन किए जा सकते हैं। इसके बाद दूसरे चरण में 10 जनवरी 2027 से 31 जनवरी 2027 तक आवेदन की प्रक्रिया होगी। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क और ऑनलाइन है। इच्छुक छात्राएं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की निर्धारित वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं।

आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज : आवेदन करते समय छात्राओं को निम्न दस्तावेजों की स्पष्ट एवं रंगीन स्कैन कॉपी अपलोड करनी होगी। पासपोर्ट साइज फोटो, जो पिछले 6 माह में खींची गई हो। आधार कार्ड हो, बैंक खाते का विवरण—बैंक पासबुक अथवा पिछले एक माह का बैंक स्टेटमेंट। कक्षा 10वीं की मूल मार्कशीट हो, कक्षा 12वीं की मूल मार्कशीट हो, प्रवेश का प्रमाण—बोनाफाइड प्रमाणपत्र अथवा ट्यूशन फीस की रसीद। सभी दस्तावेज PDF/JPG/PNG प्रारूप में होने चाहिए तथा प्रत्येक फाइल का आकार 30 KB से 500 KB के बीच होना चाहिए।

पीएम जनमन योजना से वनांचल क्षेत्र में आवागमन हुआ सुगम

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

प्रधानमंत्री जनमन योजना वनांचल एवं विशेष जनजातीय समूहों के क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र में भी इस योजना के माध्यम से सड़क निर्माण कर ग्रामीणों के आवागमन को सुगम बनाया जा रहा है।

इसी क्रम में मंगतूपूरा से गुड़ली बैगापारा तक 3 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण 1 करोड़ 92 लाख 90 हजार रुपए की लागत से किया गया है। पक्की सड़क बनने से ग्रामीणों के लिए आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम और सुरक्षित हुआ है। विशेषकर बारिश के मौसम में आने-जाने में होने वाली परेशानियों से ग्रामीणों को राहत मिली है।

तरेगांव क्षेत्र के ग्रामीणों ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से वनांचल क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिलने से अब दूरस्थ क्षेत्रों में भी बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से बन रही यह सड़क वनांचल क्षेत्र में विकास और सुगम आवागमन की नई राह खोल रही है। पक्की सड़क से जुड़ाव बढ़ने के साथ ग्रामीणों के जीवन में सुविधा और विश्वास दोनों बढ़े हैं। वनांचल क्षेत्र में सड़क जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध होने पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

पटेल चौक में सेवांजलि ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

ध्वजारोहण के साथ दिया सामाजिक एकता, मानवता और राष्ट्र निर्माण का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मानव अधिकार सेवा संगठन सेवांजलि द्वारा शहर के पटेल चौक में गरिमामय ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। पिछले लगभग 20 वर्षों से संगठन द्वारा पटेल चौक में स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस पर निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा नेता संजय सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं साहित्यकार कैलाश जैन बरमेचा, ऑल इंडिया लीनेस क्लब की प्रांतीय अध्यक्ष रश्मि अग्रवाल, दुर्ग जिले की लीनेस संस्था की अध्यक्ष आकांक्षा मिश्रा और समाजसेवी अनीता तिवारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवांजलि के अध्यक्ष जाहिद अली ने की।

देशभक्ति से ओतप्रोत हुआ वातावरण

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के

पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह से स्वागत और स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद वंदे मातरम् गायन के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और सामूहिक राष्ट्रगान हुआ। कोशिश स्टार म्यूजिकल एवं सोशल ग्रुप की पीयूषा मंनहरे, सूर्यकला शर्मा, तृप्ति साहू ने भी वंदे मातरम् और राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में मिठाई वितरण किया गया।

दो दशक से जारी है परंपरा

सेवांजलि संगठन पिछले 20 वर्षों से पटेल चौक पर राष्ट्रीय पर्व मनाकर सामाजिक एकता का संदेश दे रहा है। कार्यक्रम में संगठन के महासचिव विनोद वाघ, सचिव विजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष अजगर अली, हाजी इस्माइल चौहान, जॉर्ज, राजेश जैन, अयूब खान, अशोक पटवा, शायर नवेद रजा सहित ऑटो यूनियन पदाधिकारी, स्कूली बच्चे और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से नसीम फारूकी ने कवरेज किया।

कार्यक्रम के अंत में महासचिव विनोद वाघ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वक्ताओं ने रखे विचार

मुख्य अतिथि संजय सिंह ने कहा कि देश की आजादी स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग का परिणाम है। देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। सकारात्मक सोच और राष्ट्रप्रेम के साथ युवा आगे बढ़ें तो भारत को दुनिया में अग्रणी बनने से कोई नहीं रोक सकता।

साहित्यकार कैलाश जैन बरमेचा ने कहा कि जाति-पाति और धर्म से ऊपर उठकर मानवता को अपनाना ही सच्ची स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को देशप्रेम के साथ समानता और सामाजिक सद्भाव के संस्कार देने होंगे।

आकांक्षा मिश्रा ने कहा कि वास्तविक स्वतंत्रता तब होगी जब समाज शिक्षा, संस्कार और रोजगार में आगे बढ़ेगा। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने का आह्वान किया।

रश्मि अग्रवाल ने कहा कि आजादी के साथ जिम्मेदारियां भी आई हैं। सामाजिक सेवा, महिला सशक्तिकरण और आपसी भाईचारा ही राष्ट्रसेवा है।

समाजसेवी अनीता तिवारी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर माहौल को और देशभक्तिमय बनाया। इस अवसर पर कैलाश जैन बरमेचा ने उपस्थित लोगों को तिरंगा शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

डीएसपी के गनमैन ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

जगदलपुर। जगदलपुर में जिला बल के एक जवान द्वारा सर्विस राइफल से खुद को गोली मारने का मामला सामने आया है। घटना में जवान घायल हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला बल में पदस्थ आरक्षक विजय जेना पिछले कुछ महीनों से DSP के गनमैन के रूप में ड्यूटी कर रहा था। बताया जा रहा है कि उसने अपनी सर्विस राइफल से खुद पर गोली चला ली। गोली कंधे को छूकर निकल गई, जिससे वह घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद जवान को महारानी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार गोली गंभीर नहीं है और उसकी हालत खतरे से बाहर है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जवान ने पारिवारिक विवाद के चलते यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायल का हाल जाना। जगदलपुर CSP सुमित कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

प्रसिद्ध सूफी दरगाह पर आकांक्षा मिश्रा ने किया ध्वजारोहण

महिला के रूप में ध्वजारोहण करने वाली बनीं पहली महिला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर के प्रसिद्ध सूफी संत बाबा अब्दुल रहमान शाह काबुली रहमतुल्लाह अलैह की पवित्र दरगाह पर गरिमामय ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष लीनेस क्लब दुर्ग जिला की अध्यक्ष एवं समाजसेवी आकांक्षा मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि शहर के इस प्रमुख सूफी दरबार में महिला के रूप में ध्वजारोहण करने का गौरव आकांक्षा मिश्रा को प्राप्त हुआ। तिरंगा फहराते ही दरगाह परिसर देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत हो उठा।

राष्ट्रगान के साथ हुआ शुभारंभ: कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान से हुआ। इसके पश्चात आकांक्षा मिश्रा ने ध्वजारोहण किया। उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रध्वज को सलामी देकर देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संकल्प लिया। दरगाह के प्रमुख खादिम अनवर अली ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रतिवर्ष दरगाह परिसर में राष्ट्रध्वज फहराकर देश के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है। इस वर्ष आकांक्षा मिश्रा को ध्वजारोहण का अवसर देना महिला सम्मान और सामाजिक समरसता की दृष्टि से विशेष रहा।

सामाजिक सद्भाव का दिया संदेश : इस अवसर पर दरगाह परिसर में धर्म, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का सुंदर संदेश देखने को मिला। आकांक्षा मिश्रा के ध्वजारोहण ने यह संदेश दिया कि राष्ट्रध्वज के सम्मान में समाज के प्रत्येक वर्ग की समान भागीदारी है और महिलाएं भी राष्ट्रीय दायित्वों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम में अनवर अली, शरीफ खान, कासिम अली, साहित्यकार कैलाश जैन बरमेचा, सेवांजलि के अध्यक्ष जाहिद अली, अयूब खान, हाजी इस्माइल चौहान, आरिफ राजा, साबिर, सूर्यमणि, संजय दुबे, अशोक पटवा, अकरम सौदागर, अबरार, अनीश राजा, रेखराज सोनी, अखिल कुमार, आसिफ अली, अविनाश तिवारी, शायर नवेद रजा दुर्गवी, पीयूषा मनहरे, सूर्यकला शर्मा, तृप्ति साहू और समाजसेवी अनीता तिवारी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उपस्थित लोगों ने आकांक्षा मिश्रा को इस ऐतिहासिक अवसर के लिए बधाई दी और राष्ट्र की एकता व सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया।

रफी फाउंडेशन की संगीत संध्या ने पुराना बस स्टैंड पर बांधा समां

देशभक्ति गीतों पर झूमे शहरवासी, राहगीरों ने रोककर सुना संगीत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रफी फाउंडेशन, दुर्ग द्वारा दुर्ग शहर की आवाज के अंतर्गत पुराना बस स्टैंड पर भव्य देशभक्ति एवं संगीत संध्या का आयोजन किया गया। शाम 7 बजे शुरू हुआ कार्यक्रम देर रात तक संगीत प्रेमियों को बांधे रहा। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि बस स्टैंड जैसे व्यस्त स्थान पर हुए इस आयोजन को सुनकर राहगीर अपने वाहन रोककर रुक गए। देखते ही देखते भीड़ जुट गई और पूरा माहौल देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से सराबोर हो गया।

मुख्य अतिथियों ने की सराहना

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त वरिष्ठ सैन्य अधिकारी हरप्रीत सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष एवं जन भागीदारी समिति अध्यक्ष प्रीति साहू और समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा उपस्थित थे। सभी ने रफी फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की।

शहर के कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

संगीत संध्या में संजय लारोकर, गीता सिंह, अलख नवरंग, संजय घाटे, तृप्ति साहू, आफताब आलम, वत्सला साहू, प्रकाश सोनी, सत्या सोनी, साधना कुलदीप, ऋतु कसेर और संदीप वाघमारे ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। देशभक्ति गीतों में 'कर चले हम फि दा', 'ऐ मेरे वतन के लोगों', 'संदेश आते हैं', 'देखो वीर जवानों',

'वंदे मातरम् और छत्तीसगढ़ का राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार' विशेष आकर्षण रहे। इसके साथ 'दिल के चैन', 'आया सावन झूम के', 'जानेमन जानेमन' जैसे सदाबहार हिंदी गीतों पर दर्शकों ने तालियां बजाईं।

गीता सिंह के संचालन ने जोड़ा समां

कार्यक्रम का कुशल संचालन रफी फाउंडेशन की सचिव गीता सिंह ने किया। उन्होंने हर प्रस्तुति को खूबसूरती से जोड़ा और स्वयं भी गायन किया। उनके ऊर्जावान संचालन और मधुर आवाज ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

रफी फाउंडेशन के अध्यक्ष संजय लारोकर ने कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि संगीत के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, एकता और वीर जवानों को नमन करने का माध्यम बना। आम नागरिकों और राहगीरों की सहभागिता ने साबित किया कि अच्छा संगीत सीधे दिलों तक पहुंचता है। कार्यक्रम के अंत में रफी फाउंडेशन ने सभी अतिथियों, कलाकारों, सहयोगियों और दुर्गवासियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजन निरंतर करने का संकल्प लिया।

गुढियारी सोलर प्लांट में फायरिंग करने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार

काम बंद कराने की धमकी देकर चलाई थी गोली, पिस्टल बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जामगांव (आर) थाना क्षेत्र के ग्राम गुढियारी स्थित सोलर प्लांट निर्माण स्थल पर काम बंद कराने की धमकी देकर फायरिंग करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद की गई है।

क्या है मामला

16 अगस्त 2026 को दोपहर में ग्राम गुढियारी के सोलर प्लांट निर्माण स्थल पर प्रार्थी बिसहत यादव 46 वर्ष और अन्य कर्मचारी काम कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी अविचल अग्रवाल 52 वर्ष अपने साथियों के साथ फॉर्च्यूनर वाहन CG 04 LU 7326 से मौके पर पहुंचा। आरोपी ने निर्माण कार्य बंद करने की धमकी दी और विवाद के दौरान पिस्टल निकालकर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। इसके बाद आरोपी ने जमीन मालिक दीपक अग्रवाल को भी धमकाया और मौके से फरार हो गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही थाना जामगांव (आर) पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की। पुलिस टीम ने सूचना तंत्र और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की। संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश देकर देर रात घेराबंदी कर आरोपी अविचल अग्रवाल निवासी टैगोर नगर रायपुर को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 नग पिस्टल बरामद की। आरोपी को 17 अगस्त 2026 को न्यायालय में प्रस्तुत कर 02 दिवस का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है। प्रकरण में आगे की पूछताछ जारी है। आरोपी के विरुद्ध थाना जामगांव (आर) में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। बरामद पिस्टल के संबंध में भी आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में एसडीओपी पाटन, क्राइम ब्रांच दुर्ग, थाना प्रभारी जामगांव (आर) एवं थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि भूमि या निर्माण कार्य संबंधी किसी भी विवाद में कानून अपने हाथ में न लें। धमकी, फायरिंग या किसी हिंसक घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100